घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 24- सोमवार 24- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस सूर्यकांत आज देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ लेंगे

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ब्राजील सहित दुनिया के 7 देशों के मुख्य न्यायाधीश और उच्चतम न्यायालय के जज शामिल होंगे। इस समारोह में ब्राजील के अलावा भूटान, केन्या, मलेशिया, मारीशस, नेपाल और श्रीलंका के चीफ जस्टिस और उनके साथ आए परिजन शामिल होंगे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह में इतनी बड़ी संख्या में दूसरे देशों के न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति होगी। जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस होंगे और उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा। वे 9 फरवरी,2027 को रिटायर होंगे। जस्टिस सूर्यकांत हरियाणा से पहले चीफ जस्टिस होंगे। मौजूदा चीफ जस्टिस बीआर गवई के रिटायर होंगे।

दिल्ली : 5.92 करोड़ की पैन-इंडिया इनवेस्टमेंट ठगी का किया पर्दाफाश,4 गिरफ्तार

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने ऑनलाइन इनवेस्टमेंट के नाम पर हुई 5.92 करोड़ की बड़ी ठगी का भंडाफोड़ करते हुए चार मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में हुई कई साइबर ठगी शिकायतों से जुड़ा हुआ था और पुलिस ने इनके खातों से 1.1 करोड़ से अधिक की ठगी की राशि का पता लगाया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को बताया कि पुलिस को शिकायतकर्ता ने बताया कि फेसबुक पर एक महिला ने उससे संपर्क किया। महिला ने खुद को मुंबई की ग्लोबल ट्रेडर्स नामक जुड़ी कंपनी का अधिकारी बताती थी। अगले दो महीनों में पीड़ित से 'हाई-रिटर्न ट्रेडिंग अकाउंट' में निवेश करने के नाम पर 5,92,44,480 रुपये ठग लिए गए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर केस मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को 33 अलग-अलग बैंक खातों में बांटा गया और फिर कई परतों में ट्रांसफर कर मनी-लॉन्ड्रिंग की गई।

दूरिस्ट गाड़ी के खड़े ट्रक से टकराने से एक की मौत, 12 घायल

उमरिया, 23 नवम्बर 2025। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह हादसा चंदिया पुलिस स्टेशन एरिया के बरमबाबा मंदिर के पास हुआ, जब रविवार सुबह करीब 5.30 बजे कोलकाता से आए टूरिस्ट की गाड़ी एक खड़े ट्रक से टकरा गई। टूरिस्ट मशहूर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सफारी करके लौट रहे थे और खजुराहो जा रहे थे, तभी यह टक्कर हुई।चश्मदीदों ने बताया कि तेज रफ्तार गाड़ी का कंट्रोल बिगड़ गया और वह खड़े ट्रक से जा टकराई, जिससे जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य गंभीर से लेकर हल्की चोटें आईं। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे, पुलिस को खबर दी और घायलों को उमरिया के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराने में मदद की, जहां इमरजेंसी इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही चंदिया पुलिस स्टेशन से पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव का काम शुरू किया। घायलों में पुरुष, महिलाएं और शायद बच्चे शामिल हैं, जिनका उमरिया डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने कुछ की हालत गंभीर बताई है।

जी 20 में पहली बार मेजबानी हैंडओवर नहीं हुई

ट्रम्प के न आने से नाराज था साउथ अफ्रीका,अमेरिका बोला...यह ठीक नहीं किया

जोहान्सबर्ग,23 नवम्बर 2025। साउथ अफ्रीका में 20वां जी 20 समिट रविवार को बिना औपचारिक हैंडओवर के समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने किसी अमेरिकी अधिकारी को गवेल (अध्यक्षता का प्रतीक हथौड़ा) नहीं सौंपा। विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा कि आज कोई औपचारिक हैंडओवर सेरेमनी नहीं होगी। अमेरिका चाहे तो सोमवार से दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय के दफ्तर से जी20 से जुड़े दस्तावेज ले सकता है। इसके बाद व्हाइट हाउस की डिप्टी सेकेट्री अन्ना केली ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका ने जी20 का औपचारिक हैंडओवर नहीं कर गलत किया है।

जूनियर अधिकारी को 'गवेल' देने को तैयार नहीं हुए अफ्रीकी राष्ट्रपति

दरअसल, हर जी20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, अगले मेजबानी करने वाले देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' सौंपता है। यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए। ट्रम्प ने कहा कि साउथ अफ्रीका में गोरे ईसाइयों को मारा जा रहा है और उनकी जमीन छीनी जा रही है। इसके विरोध में उन्होंने शामिल होने से इनकार कर दिया था। हालांकि बाद में उन्होंने जी20 हैंडओवर के लिए एक राजदूत को भेजने की बात कही थी लेकिन साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने कहा था कि वे किसी जूनियर अधिकारी को गवेल देने की बजाए एक खाली कुर्सी को मेजबानी सौंप देंगे।

साउथ अफ्रीका बोला...ट्रम्प को समिट का सम्मान करना चाहिए था

दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा कि अमेरिका जी20 का सदस्य है, उसे समिट में अपनी मौजूदगी दिखानी चाहिए थी। यह एक लीडर्स समिट है, इसमें इसमें राष्ट्रपति या फिर कोई मंत्री शामिल होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के साथ उनका कोई राजनयिक विवाद नहीं है। लेकिन जी20 जैसे मंच पर किसी जूनियर अधिकारी को भेजकर हैंडओवर नहीं किया जा सकता। यह कोई विवाद नहीं, बल्कि सम्मान का सवाल है।

मोदी-रामफोसा की द्विपक्षीय बैठक, टेक्नोलॉजी,स्किल डेवलपमेंट पर चर्चा

पीएम मोदी ने रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इससे पहले मोदी ने बताया था कि,कल जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक अच्छी रही। उन्होंने कहा, 'मैंने दो सत्रों में भाग लिया और प्रमुख मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।' मोदी ने ङ्क पर बताया कि, 'जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति रामफोसा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की, विशेष रूप से ट्रेड, कल्चर, इंवेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी, स्किल डेवलपमेंट, एआई, रेयर अर्थ मेटल में सहयोग में विविधता लाने पर।' इसके साथ ही मोदी ने जी20 की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी।

एआई के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाना जरूरी : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 समिट के दौरान एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए सभी देशों को मिलकर इसके लिए मजबूत नियम-कानून बनाने चाहिए। मोदी ने कहा किएआई पर एक ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यानी अंतरराष्ट्रीय समझौता) होना जरूरी है। इसमें तीन चीजें सबसे जरूरी होंगी। निगरानी,सुरक्षा और पारदर्शिता। उन्होंने खास तौर पर चेतावनी दी कि डीपफेक वीडियो-ऑडियो,अपराध और आतंकवाद में एआई का इस्तेमाल बहुत खतरनाक है। मोदी ने कहा कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तोएआई का गलत इस्तेमाल समाज के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। इसलिए समय रहते पूरी दुनिया को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत-दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के संवाद मंच पर प्रधानमंत्री ने रखा डिजिटल इनोवेशन अलायंस का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुई भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) से जुड़े संवाद मंच की बैठक में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने मानव केंद्रित विकास में मजबूती लाने के लिए तकनीकी जरूरी भूमिका पर जोर दिया और 'आईबीएसए डिजिटल इनोवेशन अलायंस' बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे तीनों देशों के बीच यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंच, साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पल को साझा करने में मदद मिलेगी। चालीस देशों में परियोजनाओं को मदद करने में आईबीएसए फंड के काम की तारीफ़ करते हुए प्रधानमंत्री ने साउथ-साउथ सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए जलवायु लचीली कृषि के लिए आईबीएसए फंड का प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रशासन से जुड़े हुए संस्थान 21वीं सदी की असलियत से बहुत दूर हैं। उन्होंने आईबीएसए से यह मजबूत संदेश देने को कहा कि इनमें सुधार जरूरी है। वैश्विक प्रशासन खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब एक विकल्प नहीं अनिवार्यता है। आतंकवाद रोधी विषय पर प्रधानमंत्री ने करीबी समन्वय की जरूरत पर बल दिया और कहा कि आतंकवाद से लड़ते समय दोहरे मानदंड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

आक्रमण के दिन चले गए,हम राममंदिर पर झण्डा फहराने वाले हैं : मोहन भागवत

लखनऊ, 23 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने कहा कि आक्रमण के दिन चले गये, हम राम मंदिर पर झण्डा फहराने वाले हैं। अपने आप को जानो। हम देश के नाते क्या हैं उसको समझें। भारत विश्व गुरू था। अनेक राज्यों से मंडित था। चक्रवर्ती सम्राट होते थे। दुनिया का संबल भारत था। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत रविवार को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में श्रीकृष्ण जिओ गीता परिवार की ओर से आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डॉ भागवत ने कहा कि हजार साल तक आक्रामकों के पैरें तले भारत रौंदा गया। पारतंत्र में जीना पड़ा। धर्मस्थलों की हानि हुई। जबरन मतांतरण होने लगा,तब भी भारत था। अब आक्रमण के दिन चले गये। अब हम राम मंदिर पर झण्डा फहराने वाले हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि? भारत में युगों युगों के जीवन के अनुभव से जो ज्ञान स्थिर हुआ है, उसका सारांश हैं गीता। गीता को जीना है। गीता पठन का क्रम बनाना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि रोज दो श्लोक पढ़ें और उस पर मनन करें। सार को अपने जीवन में लागू करें। जीवन की एक-एक

कमी सुधारेंगे तो वर्षभर में हमारा जीवन गीतामय बनने की दिशा में अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि गीता पढ़नी चाहिए और समझनी चाहिए। हर बार आपको गीता में नई बात मिलती है। उसे सदा सर्वदा हर परिस्थिति के उपाय गीता में मिलते हैं। सरसंघचालक ने कहा कि आज सारी दुनिया जीवन के रणांगन में भयग्रस्त व मोहग्रस्त होकर रास्ता सूझने वाली अवस्था में है। जीवन में नीति नहीं, शांति नहीं, जीवन में संतोष नहीं,इसलिए जीवन में विश्राम नहीं। यह स्थिति है। सही रास्ता चाहिए। दुनिया को सही रास्ता भारत से मिलेगा। क्योंकि भारत की जीवन परम्परा ऐसी है। उसके प्रभाव के दिनों में उसने सारी दुनिया को सुख शांतिमय दुनिया बना दिया था। डा. भागवत ने कहा कि अन्याय असत्य के सामने जीने के बजाय क्षणभर जीना भी असंख्य कीर्ति प्रदान करता है। चन्द्रशेखर जैसे क्रान्तिकारियों के जीवन से हम युगों युगों तक प्रेरणा लेते रहेंगे। सफलता असफलता मायने नहीं रखती। मनुष्य के विचार उत्तम विचार चाहिए। अधिष्ठान ठीक चाहिए, कार्यकर्ता कुशल,ठीक कार्य पद्धति चाहिए। इन सबके साथ भाग्य की भी एक बात है। उसकी चिंता नहीं करना। अपना पुरूषार्थ पक्का करना। पुरूषार्थ से भाग्य बदलता है। यश अपयश की चिंता नहीं करना। लड़ना है तो दुश्मनी की खुन्नस से नहीं,धर्म के लिए लड़ना। डॉ भागवत ने कहा कि छोटा कार्य जो निष्काम से किया गया हो वह धर्म है। धर्म यानि समाज की धारणा करने वाला धर्म। सबको जिलाने वाला धर्म। सबके कल्याण के लिए व्यक्तिगत हित की बलि देना पड़े तो भी पीछे नहीं रहना। इसलिए यश अपयश की चिंता न करते हुए हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। हम दुनिया को त्याग व सेवा का संदेश देंगे। इसलिए भक्ति पूर्वक कर्म करो। यही गीता का संदेश है। गीता केवल साधु संन्यासियों के लिए नहींः स्वामी ज्ञानानन्द कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने सभी को जिओ गीता से जुड़ने का आहवान करते हुए कहा कि दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के माध्यम से समाज का जागरण किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने SIR को थोपा गया जुल्म बताया,एक्स पर लिखी तीखी बातें

नई दिल्ली, 23 नवम्बर 2025। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट रिविजन को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह कोई सुधार नहीं बल्कि ठोपा गया जुल्म है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जिससे मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना किसी रोक-टोक जारी रहे। उनका मानना है कि एसआईआर के तहत की जा रही प्रक्रिया नागरिकों और कर्मचारियों दोनों के लिए अत्यधिक दबाव वाली और हानिकारक साबित हो रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट में विशेष रूप से बीएलओ की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तीन हफ्तों के भीतर 16 बीएलओ की जान चली गई, जिसमें हार्ट अटैक, तनाव और आत्महत्या के मामले शामिल हैं। राहुल गांधी ने इसे एसआईआर का प्रत्यक्ष परिणाम बताते हुए कहा कि यह कोई सुधार नहीं बल्कि ठोपा गया जुल्म है। उनके अनुसार, बीएलओ पर लगातार दबाव डालकर उन्हें असुरक्षित और मानसिक रूप से थका दिया गया है। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से वोट चोरी की राह आसान बनाई जा रही है। उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम तैयार किया है जिसमें नागरिकों को खुद को पहचानने के लिए

22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्कैन पन्ने पलटने पड़ते हैं। उनका कहना है कि इसका मकसद साफ है–सही मतदाता थककर हार जाए और मतदान की प्रक्रिया में धांधली बिना किसी रोक-टोक जारी रहे।

चुनाव आयोग पर पारदर्शिता के सवाल

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर तैयार करता है,लेकिन भारत का चुनाव आयोग आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर अड़ा हुआ है। राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि अगर ईमानदारी और नीयत साफ होती, तो मतदाता सूची डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती। इसके बजाय चुनाव आयोग ने 30 दिनों की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम को प्राथमिकता दी।

बॉर्डर कब बदल जाए कोई नहीं जानता आज सिंध भारत से अलग, हो सकता है कल ये वापस आ जाए : राजनाथ

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। और जहां तक जमीन की बात है। कब बॉर्डर बदल जाए कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। राजनाथ सिंह ने ये बातें रविवार को दिल्ली में सिंधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने लाल कृष्ण आडवाणी का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने (आडवाणी) अपनी एक किताब में लिखा था कि सिंधी हिंदू, खासकर उनकी पीढ़ी के लोग अभी भी सिंध को भारत से अलग नहीं मानते हैं। दरअसल 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद सिंध प्रांत पाकिस्तान में चला गया। यह पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा प्रांत है। जिसकी राजधानी कराची है। प्रांत में उर्दू, सिंधी और अंग्रेजी बोली जाती है। 1936 तक गुजरात और महाराष्ट्र के साथ सिंध भी बॉम्बे प्रोविंस का हिस्सा हुआ करता था।

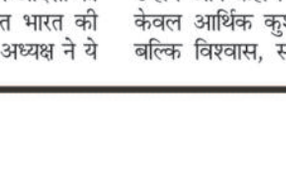

मध्य प्रदेश के सागर जिले में सड़क किनारे खड़े युवकों को बस ने मारी टक्कर, चार की मौत

सागर,23 नवम्बर 2025। मध्य प्रदेश के सागर जिले में रहली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अनंतपुरा के पास रविवार को बस ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, चारों युवक ग्राम अनंतपुरा से सिमरिया हर्राखेड़ा की ओर जाने के लिए रास्ते में सड़क किनारे खड़े हुए थे। इसी दौरान सिमरिया से दमोह जा रही निजी ट्रेवल्स की बस ने चारों युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक उछलकर काफी दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवम (18) पुत्र रामचरण पाल, सत्यम (17) पुत्र रामचरण पाल, प्राशू उर्फ प्रशांत (14) पुत्र खुमान पाल और उमेश (16) पुत्र चेतू पाल निवासी ग्राम अनंतपुरा के रूप में हुई है।

विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवकों की भूमिका अहम : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सिविल सेवकों की भूमिका विकिसत भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में निर्णायक होगी। कानून का पालन,पारदर्शिता और टीम वर्क ही सुशासन की बुनियाद हैं। आंध्र प्रदेश के पलासमुद्रम स्थित राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नार्कोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) में सिविल सेवा प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनएसीआईएन के नए परिसर का उद्घाटन किया था और आज यह संस्थान सीमा शुल्क और जीएसटी प्रशासन में क्षमता निर्माण का अग्रणी केंद्र बन चुका है। यह वर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है, जिन्होंने अखिल भारतीय

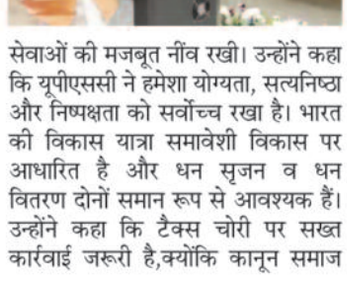

सेवाओं की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि यूपीएससी ने हमेशा योग्यता, सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता को सर्वोच्च रखा है। भारत की विकास यात्रा समावेशी विकास पर आधारित है और धन सृजन व धन वितरण दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि टैक्स चोरी पर सख्त कार्रवाई जरूरी है,क्योंकि कानून समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए बनाए जाते हैं। अधिकारियों पर यह जिम्मेदारी है कि वे कानून का प्रभावी और निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से टीम उत्कृष्टता को प्राथमिकता देने की अपील की और कहा कि संस्थाएं और देश व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक प्रयास से बनते हैं।

उन्होंने तेजी से बदलती तकनीक का उल्लेख करते हुए अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता,मशीन लर्निंग,प्राकृतिक भाषा संसाधन और ब्लॉकचेन जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने आईजीओटी कर्मयोगी को उत्कृष्ट क्षमता निर्माण मंच बताया। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री नारा लोकेश, उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे, एनएसीआईएन के महानिदेशक डॉ सुब्रमण्यम सहित कई लोग मौजूद रहे।

सिंधी समुदाय सांस्कृतिक गौरव,अखंडता एवं राष्ट्र निर्माण का आदर्श प्रस्तुत करता है : ओम बिरला

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सिंधी समुदाय की सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता एवं उसकी गहरी सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन्हीं गुणों ने उन्हें भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाया है। सिंधी समुदाय की सामूहिक शक्ति एवं लचीलेपन की सराहना करते हुए बिरला ने कहा कि यह समुदाय उन आदर्शों का प्रतीक है जो एक सशक्त भारत की नींव रखते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने ये टिप्पणी विश्व सिंधी हिंदू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन (वीएसएचएफए) द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'सशक्त समाज-समृद्ध भारत' कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि इस समुदाय ने व्यापार, उद्योग, बैंकिंग,सेवाओं एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है,जिससे लाखों लोगों के लिए आजीविका का सृजन हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सफलता केवल आर्थिक कुशाग्रता में ही नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग एवं नैतिक

आचरण जैसे गहरे मूल्यों में निहित है जो राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने बल देकर कहा कि विभाजन के दौरान सिंधी समुदाय ने जिन कठिनाइयों का सामना किया उससे समुदाय और मजबूत हुआ। भौतिक संपत्ति को हुए अत्यंत नुकसान के बावजूद, सिंधी समुदाय ने अपने धर्म, परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान को पूरी दृढ़ता से कायम रखा। उन्होंने असाधारण दृढ़ संकल्प के साथ अपने जीवन का पुनर्निर्माण किया और आपदा को अवसर में बदल दिया।

उन्होंने अंत में कहा कि उनकी यात्रा दृढ़ता एवं सांस्कृतिक गौरव का एक अद्भुत उदाहरण है। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि भारत की शक्ति इसकी विविधता में निहित है। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों के बीच एकता, समन्वय एवं आपसी सम्मान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने शिक्षा,स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा एवं सामुदायिक कल्याण में सिंधी समुदाय के महत्वपूर्ण पर प्रकाश डाला। बिरला ने 2003 से सिंधी समुदाय के साथ अपने लंबे एवं मधुर संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनका समर्थन एवं सद्भावना निरंतर बनी हुई है।

संपादकीय

आरोपों पर टिका विपक्ष

भाजपा की राजनीतिक बढ़त रोकने के लिए गढ़ रहे नैरेटिव

नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में दसवीं बार शपथ ले ली और मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी हो गया, पर यह चर्चा थम नहीं रही कि आखिर राजग ने इतनी प्रचंड जीत कैसे हासिल कर ली। चुनावी जीत कई कारणों पर निर्भर करती है। बिहार में राजग की जीत के भी कई कारण रहे। एक बड़ा कारण रहा जदयू-भाजपा के साथ उसके अन्य सहयोगी दलों के बीच बेहतर सीट बंटवारा और तालमेल। इसके अलावा एक अन्य प्रमुख कारण है नीतीश कुमार के 20 साल के शासन में बिहार का पटरी पर आना। इसका संज्ञान इसलिए अधिक लिया गया,क्योंकि इसके पहले लालू-राबड़ी यादव का शासनकाल इस कदर जंगलराज का पर्याय बन गया था कि पिछले चुनावों की तरह इस चुनाव में भी मुद्दा बना और उसने अपना असर भी दिखाया। विपक्ष यह सब देखने से इन्कार कर रहा है। विपक्षी दल और विशेष रूप से कांग्रेस वोट चोरी का ही राग अलाप रही है। वोट चोरी का आरोप चुनावों के पहले तभी उछाल दिया गया था, जब चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर कराना शुरू ही किया था। विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाकर धरना-प्रदर्शन करने के साथ वोटर अधिकार यात्रा तक निकाली, लेकिन चुनाव आते-आते यह कोई मुद्दा ही नहीं रहा।

चुनाव बाद के आंकड़े यह बताते हैं कि कुछ ऐसे क्षेत्र जहां बड़ी संख्या में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे,वहां कहीं राजग जीता तो कहीं विपक्ष। ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया कि राजग को एसआईआर का लाभ मिला। मतदाता सूची से लाखों नाम कट जाने के बाद भी किसी ने यह शिकायत नहीं की कि उसका नाम गलत तरीके से काट दिया गया है। यानी जो नाम कटे,वे सही कटे। यदि ऐसा नहीं होता लोगों ने सड़कों पर उतरकर शिकायत की होती। ऐसे लोगों को सामने लाकर राजनीतिक दल भी शिकायत नहीं कर सके तो इसीलिए कि उन्हें कोई ऐसा मिला ही नहीं। चुनाव आयोग ने बिहार में कम समय में जिस तरह एसआईआर कराया और उसके उपरांत सफलतापूर्वक चुनाव कराए, इसके लिए उसे साधुवाद दिया जाना चाहिए,लेकिन विपक्ष उसकी आलोचना करने के साथ नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित क्षेत्रों में हो रहे एसआईआर का विरोध कर रहा है। विपक्ष शासित राज्य और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल एसआईआर का कुछ ज्यादा ही विरोध कर रहे हैं।

बंगाल की मुख्यमंत्री ने एसआईआर के विरोध में चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी है और उसे अनावश्यक बताया है। वे ऐसा इसके बाद भी कह रही हैं कि बंगाल में रह रहे हजारों बांग्लादेशी वापस अपने देश लौट रहे हैं। यह एसआईआर का ही असर है कि तमाम बांग्लादेशी बांग्लादेश लौटने को आतुर हैं। वे इसीलिए लौट रहे हैं,क्योंकि उन्होंने घुसपैठ की थी। उनके बांग्लादेश लौटने से गृहमंत्री अमित शाह की यह बात सही सिद्ध होती है कि देश में घुसपैठिए रह रहे हैं और वे भारत के ससांधनों का दोहन कर रहे हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में अवैध रूप से आ बसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। उन्हें निकालने के लिए अन्य उपाय भी किए जाने चाहिए, क्योंकि यह काम चुनाव आयोग का नहीं कि वह घुसपैठियों के खिलाफ कदम उठाए। बांग्लादेशी घुसपैठिए इसीलिए लौट रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि एसआईआर के चलते उनकी पोल खुल जाएगी।

द ग्रेट हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

मिसिरबाबू,आपको फिर से लख-लख बधाइयाँ! इस बार आप उस महायुद्ध से बच निकले हैं जिसका नाम है द ग्रेट हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर। यह कोई साधारण युद्ध नहीं,यह भाषा का महाभारत है,जहाँ अर्जुन और दुर्योधन की जगह अब हिन्दी सेवक और इंग्लिश भक्त खड़े हैं। यहाँ तीर-कमान नहीं चलते, बल्कि जय हिन्दी,डाउन विथ इंग्लिश और एबीसीडी के नारे चलते हैं। यह वह युद्ध है जिसमें ज्ञान, शिक्षा और रोज़गार सब कुछ लिपि की गोली से ढेर हो जाते हैं।

सोचिए मिसिरबाबूकल तक जो लोग हिन्दी माता की जय बोलते थे, आज वही लोग अपने बच्चों को जैक एंड जिल गवाने भेज रहे हैं। मोहल्ले का शर्मा जी, जिनके घर में तुलसीदास की चौपाइयाँ गूँजती थीं, अब अपने बेटे को कॉन्वेंट में डाल चुके हैं क्योंकि वहाँ

फ्यूचर ब्राइट होता है। रिश्तों की परिभाषा अब इतनी नाजुक हो गई है कि अगर बच्चा गुड मॉर्निंग की जगह शुभ प्रभात बोल दे तो माँ-बाप को डर लगने लगता है कि उसकी नौकरी कहीं हाथ से न निकल जाए।

यमलोक में भी इस हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर का असर पहुँच चुका है। चित्रगुप्त जी का लैंग्वेज-प्रोसेसर 2.0 बार-बार क्रैश हो रहा है। यमराज ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। चित्रगुप्त! ये क्या हो रहा है? कल तक जो लोग हिन्दी दिवस पर भाषण दे रहे थे, आज उनके खाते में इंग्लिश मीडियम की एंट्री क्यों आ रही है? चित्रगुप्त ने सिर पीट लिया। प्रभु, अब पुण्य और पाप का हिसाब संस्कृत श्लोकों से नहीं, बल्कि स्पोकन इंग्लिश से तय होता है। जिसने बच्चे को कॉन्वेंट में डाला है, वही पुण्यवान है। जिसने हिन्दी माध्यम में पढ़ाया है, वही पापी है। और जिसने बच्चे को हिन्दी साहित्य पढ़ा दिया है, उसे तो सीधे नरक में भेजा जा रहा है।

मिसिरबाबू,यह युद्ध इतना खतरनाक है कि अब शिक्षा की असली परीक्षा लिपि और मीडियम से होती है। बेटा बाप को आउटडेटेड कह रहा है क्योंकि बाप ने उसे रामचरितमानस पढ़ने को कहा। पति पत्नी को बैकवर्ड कह रहा है क्योंकि पत्नी ने बच्चे को हिन्दी कविता प्रतियोगिता में भेज दिया। भाई भाई को अनप्रोफेशनल कह रहा है क्योंकि उसने इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स नहीं किया। यह वह युद्ध है जहाँ खून नहीं बहता, बल्कि फीस बहती है। यह वह युद्ध है जहाँ तलवारें नहीं चलतीं, बल्कि एडमिशन फॉर्म चलते हैं। और यह वह युद्ध है जहाँ भाषा की कब्रें हर दिन खोदी जाती हैं, और हर दिन कोई न कोई हिन्दी या इंग्लिश होकर उसमें दफ़न हो जाता है।

भाषा की ट्रोल-आर्मी इस युद्ध की असली सेनापति है। वे तय करते हैं कि कौन प्रगतिशील है और कौन पिछड़ा। अगर आपने बच्चे को इंग्लिश मीडियम में डाला तो आप विकासवादी। अगर आपने हिन्दी मीडियम में डाला तो आप कूपमंडूक। और अगर आपने दोनों में डाला तो आप कन्फ्यूज्ड। मिसिरबाबू,यह भाषा का कब्रिस्तान इतना बड़ा हो चुका है कि अब हर मोहल्ले में हिन्दी बनाम इंग्लिश की लाशें पड़ी हैं। लोग अब शिक्षा को ज्ञान से नहीं, बल्कि मीडियम से गिनते हैं।

लेकिन मिसिरबाबू,सवाल यह है कि आप कब तक इस हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर से बचेंगे! आख़िर बकरे की अम्मा कब तक ख़ैर मनाएगी! एक दिन सिस्टम आपकी सादगी,आपके विवेक की बलि तो लेकर रहेगा। हो सकता है कल को एक देश, एक मीडियम का क़ानून आ जाए। हो सकता है कि राशन कार्ड,आधार कार्ड और वोटर आईडी सब कुछ आपके स्कूल रिपोर्ट कार्ड से जुड़ जाए। जिसके पास इंग्लिश मीडियम नहीं, उसकी नागरिकता ही नहीं। तब आप भी इस भाषा कब्रिस्तान का हिस्सा बन जाएँगे।

तब तक के लिए,जब तक आपके पास आपका पुराना,भरोसेमंद,बिना किसी जैक एंड जिल वाला हिन्दी पाठ्यपुस्तक है,कांग्रेचुलेशंस मिसिरबाबू। आप बच गए। लेकिन याद रखिए,यह युद्ध अभी जारी है और भाषा की लाशें हर दिन इस कब्रिस्तान में दफ़न हो रही हैं।

हिंद की चादर...गुरु तेग बहादुर जी

"दुनिया में जितने भी धर्म है उन धर्मों में अपेक्षा कृत सिख धर्म बहुत बेहतर है। इसका कारण यह है कि इसकी बुनियाद सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी के द्वारा मानवता,भाईचारा, धार्मिक अंधविश्वास के खिलाफ,सामानता, बांट कर खाना,परिश्रम करके खाना तथा धर्म की रक्षा के लिए कोई भी बलिदान देना आदि बातों पर आधारित है।"

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

पहले गुरु से लेकर दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह तक सभी ने तत्कालीन मुगल शासको के हाथों अन्याय,क्रूरता,दमन तथा भेदभाव का सामना किया। बाबर से लेकर औरंगज़ेब तथा बाद के मुगलों ने हिंदुओं को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए मजबूर किया। जिसने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया उसकी क्रूरता से हत्या करवा दी जाती थी और जो इस्लाम धर्म अपना लेता था उस हिंदू को छोड़ दिया जाता था। मुगल शासको का यह कारनामा चलता ही रहा है। असल में सिख धर्म के बढ़ते प्रभाव को मुगल बादशाह सहन नहीं कर सके। उन्हें लगा कि अगर सिख धर्म इसी तरह फैलता गया तो इस्लाम तो कमजोर होगा ही,उनका भी शासन नहीं रहेगा। सिख धर्म के पांचवे गुरु, गुरु अर्जन देव,जिन्होंने गुरु ग्रंथ साहब का संपादन किया, का प्रभाव देखकर मुगल बादशाह जहांगीर घबरा गया! उसने उन्हें बंदी बना लिया इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया। जब गुरु जी नहीं माने तब उन्हें क्रूरता से गरम तवे पर बिठाकर शहीद कर दिया गया। इस सारे के फल स्वरुप हिंदू समुदाय मुगलों के और खिलाफ हो गया

लेकिन इनमें सबसे ज्यादा जालिम मुगल बादशाह औरंगजेब था। वह हर रोज हिंदुओं के लाखों जनेऊ जलवा देता था, हिंदुओं की सर की चोटियों को कटवा देता था और उन्हें इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए यातनाएं देता था। औरंगज़ेब के क्रूर तथा अन्यायपूर्ण शासन हिंदुओं के लिए रहना मुश्किल हो गया । धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी ने अवतार लिया। गुरु तेग बहादुर जी को... हिंद की चादर...कहा जाता है क्योंकि उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया!

गुरु तेग बहादुर सिखों के नौवें गुरु हुए हैं। उनका जन्म 21 अप्रैल 1921 में अमृतसर में हुआ। उनके बचपन का नाम त्यागमल था। उनके पिता का नाम हरगोविंद साहब तथा माता का नाम नानकी जी था। 14 साल की उम्र में मुगलों के साथ युद्ध में पराक्रम दिखाने के कारण गुरु हरगोविंद सिंह जी ने उनका नाम बदलकर तेग बहादुर रख दिया।

उन्होंने बचपन में ही धार्मिक तथा शस्त्र विद्या सीखी। औरंगजेब के जुल्मों से तंग आकर कुछ कश्मीरी पंडित गुरु तेग बहादुर जी के पास आए और अपनी व्यथा सुनाई। औरंगजेब द्वारा हिंदुओं को इस्लाम धर्म कुबूल करने की दर्द भरी कहानी सुनने के बाद गुरु तेग बहादुर ने कहा कि इसके लिए किसी को बलिदान देना पड़ेगा। सारी बात सुन रहे उनके 9 साल के पुत्र,गोविंद राय ने कहा आप से बढ़कर और कौन हो सकता है जो धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दे। गुरु तेग बहादुर को अपने बेटे,गोविंद राय की बात समझ में आ गई। तब उन्होंने कश्मीरी पंडितों से कहा कि आप औरंगजेब तक यह संदेश पहुंचाओ कि अगर सिखों के गुरु तेग बहादुर को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए मना लो तब हम भी इस्लाम धर्म कबूल कर लेंगे। यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाने के बाद गुरु तेग बहादुर जी अपने बहुत सारे शिष्यों,विशेष तौर पर भाई मती दास, भाई सती दास भाई दयालो के साथ दिल्ली के लिए चल पड़े। 19 दिसंबर 1975 को चांदनी चौक में तेग बहादुर जी पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालने के लिए उनके सामने ही भाई मती दास को आरे से चीरा गया, भाई मती दास आखरी सांस तक...वाहेगुरु...वाहेगुरु...कहते रहे। उसके बाद भाई दयाल जी को उबलते हुए पानी की देग में बिठाकर यातनाएं देकर शहीद कर दिया गया। उसके बाद भाई सती दास को रुई में लपेटकर जला दिया गया। यह सब देखकर भी गुरु तेग बहादुर भयभीत नहीं हुए और इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया। उसके बाद दिल्ली के चांदनी चौक में उनका सर कलम कर दिया गया। चांदनी चौक में स्थित गुरुद्वारा...शीशगंज... वही स्थान है जहां पर गुरु तेग बहादुर जी का सर धड़ से अलग कर दिया गया था। गुरु तेग बहादुर जी के शहीद होने के बाद वहां इकट्ठे हुए बहुत सारे लोगों में अफरा तफरी मच गई। इस अफरा-तफरी में गुरु तेग बहादुर का एक शिष्य,भाई लखी सिंह गुरु जी के धड को अपने कुछ और सहयोगियों के साथ अपने घर ले आया और वहीं पर उनके संस्कार कर दिया और फिर अपने मकान को आग लगा दी ताकि पता ना चले कि वहां पर गुरु जी का संस्कार किया गया था। उसी जगह पर आजकल दिल्ली में गुरुद्वारा रकाबगंज बना हुआ है। मुगलों को धोखा देकर गुरु तेग बहादुर जी का सर उनके एक वफादार शिष्य, जैता जी ने दिल्ली से आनंदपुर साहब लाकर गुरु गोविंद सिंह जी को दे दिया और गुरु जी ने उसे,रंगरेटा गुरु का बेटा,की उपाधि से सम्मानित किया! गुरु तेग बहादुर के सुपुत्र, गोविंद राय, बाद में गोविंद सिंह कहां जाने लगा, सिख धर्म के दसवें गुरु बने। उनका भी सारा जीवन हिंदू धर्म की रक्षा,मुगलों के साथ संघर्ष,अपने चारों पुत्रों तथा माता के बलिदान तथा सरहंद के सूबेदार के लोगों द्वारा मात्र 42 साल की उम्र में शहीद कर दिया गया! इसलिए गुरु गोविंद सिंह जी को सर्वंश दानी...भी कहा जाता है! सिख धर्म के अनुयाई आजकल गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस को धूमधाम से मना रहे हैं। सिख धर्म को मानने वाले बहादुर, धर्म की रक्षा करने वाले,धर्म को समर्पित, जरूरतमंदों को लंगर के द्वारा भोजन खिलाने वाले लोग माने जाते हैं। यह सिख गुरुओं तथा सिख योद्धाओं के त्याग का ही परिणाम है जो हिंदू धर्म आज तक सुरक्षित है। गुरु तेग बहादुर जी को तथा गुरु साहिबान को शत शत नमन।

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा?

»» 21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे,जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी,जैसे किसी ने उसकी धे कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। ««

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है,जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था,जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया?

दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए,

उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता,इंजन व्यवहार,नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी।

तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक,हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है। तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी ले ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करो रुपये का बे ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करो रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बे चुका है। ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छो गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उ ान भरता है। वे केवल उ ान नहीं भरते बल्कि हर उ ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है। कई देशों में एक दुर्घटना के बाद विमान को और अधिक बेहतर बनाया गया है।

शेख हसीना को मृत्युदंडः दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत की नई चुनौती

बांग्लादेश के न्यायिक संकट और भारत का कूटनीतिक संतुलन शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा के बाद दक्षिण एशियाई राजनीति में उभरते नए समीकरणों का विश्लेषण...

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा ने दक्षिण एशिया की राजनीति को गहरे तक झकझोर दिया है। यह फैसला न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि भारत को भी अभूतपूर्व कूटनीतिक दुविधा में डालता है। भारत को हसीना की सुरक्षा, प्रत्यर्पण की मांग, सीमा-सुरक्षा, आर्थिक हितों, और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन के बीच अत्यंत संवेदनशील चालन करना होगा। यह पूरा घटनाक्रम दर्शाता है कि घरेलू राजनीतिक संकट किस प्रकार पड़ोसी देशों के लिए बहुआयामी रणनीतिक चुनौती बन जाता है। बांग्लादेश की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश के न्यायाधिकरण द्वारा मृत्युदंड सुनाया

जाना केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य को हिला देने वाला ऐतिहासिक घटना-क्रम है। यह सजा उस समय सुनाई गई जब हसीना पहले से ही भारत में राजनीतिक शरण जैसी स्थिति में रह रही थीं और बांग्लादेश में उनकी सरकार के विरोध में विस्तृत जन-आक्रोश तथा हिंसक आंदोलनों की पृष्ठभूमि मौजूद थी। इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और शासन की स्थिरता को तीव्र विवाद के केंद्र में ला दिया है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह स्थिति भारत को किस प्रकार गहरे कूटनीतिक द्वंद्व में धकेल रही है, जहाँ हर कदम क्षेत्रीय समीकरणों और द्विपक्षीय हितों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है। भारत के लिए सबसे पहली चुनौती यह है कि वह इस फैसले पर कैसी आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज करे। भारत बांग्लादेश का सबसे नजदीकी और सबसे बड़ा साझेदार देश है, जिसके साथ सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा-प्रबंधन, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक अन्तःसंबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत किसी भी प्रकार की खुली निंदा या समर्थन का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकार, न्यायिक निष्पक्षता और राजनीतिक स्थिरता के सिद्धांतों को भी साथ में लेकर चलना है, जो उसे क्षेत्रीय नेतृत्व के मानक पर कसते हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप-नही-करने की नीति भी भारत के लिए अनिवार्य वास्तविकता है। यही कारण है कि भारत के कूटनीतिक वक्तव्यों का स्वर अत्यंत संयत,सावधान और संतुलित रहा है।

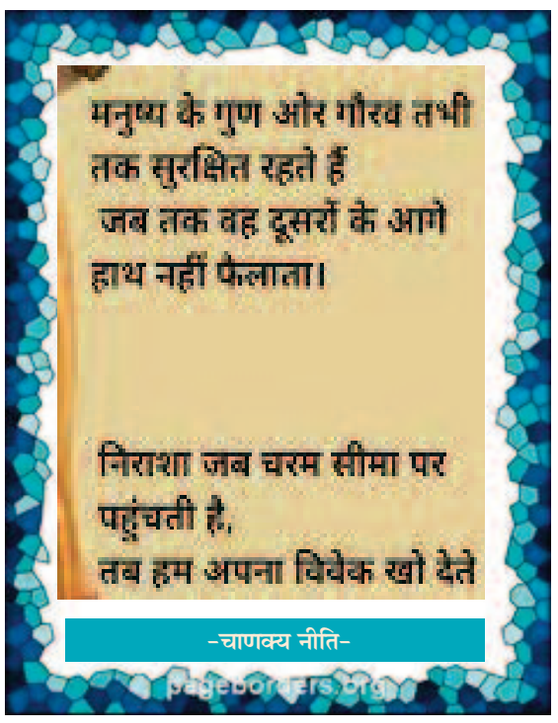

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

यंग ज्योग्राफर अवार्ड 2023 : अजीत कुमार शांते सहित तीन शोध छात्रों को सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पीजी कॉलेज में 21 और 22 नवंबर को भूगोल विभाग एवं छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'क्षेत्रीय विकास मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, मिजोरम और बिहार से शोधकर्ता और प्राध्यापक सम्मिलित हुए। कुल 250 से अधिक भूगोल प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं और स्नातकोत्तर छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया। संगोष्ठी में 173 शोध पत्रों के एब्स्ट्रेक्ट का प्रकाशन हुआ और आठ तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्रों का वाचन किया गया। इस संगोष्ठी की एक प्रमुख विशेषता यह थी कि इसमें 35 वर्ष से कम उम्र के शोध छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 8 छात्रों ने भाग लिया। यंग ज्योग्राफर अवार्ड के तहत तीन छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त छात्र थे - अजीत कुमार शांते, शमलेश पोटाई और असुंता खलखो। खास बात यह थी कि भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिन्हा और उनकी पत्नी उमा सिन्हा ने अपने स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में इन छात्रों को नकद राशि से सम्मानित किया। संगोष्ठी में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट' और 'नगरीय विकास' पर पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 17 छात्रों ने भाग लिया। तीन श्रेष्ठ पोस्टर को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर टी. एल. वर्मा ने 'विकसित भारत 2047' के संदर्भ में विकास के सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और राजनीतिक पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. एसपी त्रिपाठी ने संसाधनों के उपयोग और संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर वी. पी. सती ने अनुसंधान की सूक्ष्म पद्धतियों पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी की सफलता पर दीपिका स्वर्णकार ने महाविद्यालय परिवार और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से हुआ था।

डीएमएफ घोटाले के मामले में अंबिकापुर और बलरामपुर में छापे, ईओडब्ल्यू और एसीबी ने की कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर और बलरामपुर जिलों में रविवार को ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ) और एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की संयुक्त टीम ने डीएमएफ (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन) घोटाले के संदर्भ में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अंबिकापुर और बलरामपुर में तीन प्रमुख स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें अंबिकापुर के पर्राडांड़ स्थित पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक डॉ. तनवीर अहमद, सतीपारा के राणी सती कॉलोनी निवासी सप्लायर अमित अग्रवाल और बलरामपुर जिले के राजपुर निवासी व्यवसायी मनोज अग्रवाल के घर शामिल थे। इन घरों को सील कर टीम ने दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह छापे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान हुए आबकारी और डीएमएफ मद में हुए घोटाले की जांच के सिलसिले में मारे गए हैं। डॉ. तनवीर अहमद, जो कि पूर्व में सरगुजा और बलरामपुर जिले में पदस्थ थे, पर आरोप है कि उन्होंने डीएमएफ फंड का गलत तरीके से इस्तेमाल किया। वहीं, अमित अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने सरगुजा, सूरजपुर और बस्तर सहित अन्य क्षेत्रों में डीएमएफ मद के तहत काम किया और इसके बदले बड़े पैमाने पर घोटाला किया। उनके संबंध पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से बताए जाते हैं, और उनके रिश्तेदार अशोक अग्रवाल का नाम भी इस घोटाले में पहले सामने आ चुका है। यह गौर करने योग्य है कि उनके घरों पर पहले भी दो बार छापे मारे जा चुके हैं। बलरामपुर जिले के राजपुर स्थित मनोज अग्रवाल के घर पर भी ईओडब्ल्यू और एसीबी की टीम ने छापा मारा। मनोज अग्रवाल को डीएमएफ मद का एक प्रमुख सप्लायर माना जाता है, और उन पर भी आरोप हैं कि उन्होंने इस मद के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। टीम ने उनके घर से दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है, ताकि घोटाले से जुड़े सभी पहलुओं का पर्दाफाश किया जा सके। इस बड़ी कार्रवाई से यह साफ संकेत मिलता है कि राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और संबंधित अधिकारियों और सप्लायरों को किसी भी स्तर पर बख्शा नहीं जाएगा। एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम इस मामले में आगे की जांच और कार्रवाई करने की योजना बना रही है।

बलरामपुर जिले में कूकर फटने से दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल,एक की हालत नाजुक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम सिलाजू में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब दशगात्र कार्यक्रम के दौरान कूकर फटने से दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे में एक महिला की आंखों और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं,जबकि दूसरी महिला भी गंभीर रूप से झुलस गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार,प्रेम कुमार यादव के पिता का 10 दिन पहले निधन हो चुका था। इस अवसर पर दशगात्र की परंपरा के तहत कार्यक्रम चल रहा था। शाम के समय प्रेम कुमार की पत्नी, सुषमा यादव (30 वर्ष),और उनकी मौसी, फुलवा देवी,कूकर में खाना बना रही थीं। अचानक कूकर में विस्फोट हो गया,जिससे तेज आवाज के साथ कूकर फट गया और पास बैठीं दोनों महिलाएं घायल हो गईं। कूकर के फटने से सुषमा यादव और फुलवा देवी दोनों के चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं, और दोनों झुलस गईं। आवाज सुनकर परिवार के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने सुषमा यादव की हालत को गंभीर देखते हुए उसे बलरामपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि फुलवा देवी का इलाज रामानुजगंज अस्पताल में चल रहा है।

यह हादसा परिवार के लिए एक और कठिनाई लेकर आया है, क्योंकि पहले ही परिवार में शोक का माहौल था। अस्पताल में इलाज जारी है, और परिवार के सदस्य घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

मितानीन दीदियों के निःस्वार्थ सेवा भाव को सलाम वार्ड 44 एवं 45 में भव्य सम्मान समारोह संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दर्रिपारा मणिपुर मोहल्ला,वार्ड क्रमांक 44 एवं 45 में मितानीन दीदियों के सम्मान में एक भव्य एवं प्रेरणादायी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समाज की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में मितानीनों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए स्थानीय पार्षद श्रीमती किरण प्रकाश साहु एवं मोहल्लेवासियों ने मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि उनके अथक परिश्रम, निस्वार्थ समर्पण और सतत सेवाभाव के प्रति आभार व्यक्त किया जा सके।

कार्यक्रम में मितानीन रजिया बेगम , कृपा एक्का , सीमा एक्का, सुमन दास, सरिता सिंह, संगीता गौड़,सीता दास,शशि राजवाड़े (ए.सी), निर्मला मेडम (एम.टी.) एवं नीलम लकड़ा जी को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनका पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। इसके साथ ही उन्हें सम्मान स्वरूप ऊनी ब्लैंकेट प्रदान किए गए। उपस्थित जनसमूह ने मितानीनों द्वारा वर्षों से किए जा रहे स्वास्थ्य-सेवा कार्यों–जैसे गर्भवती महिलाओं की देखरेख, टीकाकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, ग्रामीण एवं शहरी बस्तियों में समय पर सहायता–की खुलकर प्रशंसा की और उन्हें समाज की वास्तविक 'स्वास्थ्य प्रहरी' बताया। सम्मान समारोह में मोहल्लेवासी श्री सूर्य प्रकाश साहु, अभय साहु, दिव्या दुबे, सुशीला यादव, बबीता, प्यारो, सुशीला प्रभाकर, रानी चटर्जी, उर्मिला सिंह, अनिता साहु, रीता साहु, सोनी साहु, गुलाबी, सरिता मुण्डा, सुनिल साहु, संजू चटर्जी, अजय प्रभाकर, समित मुण्डा, सोनु मुदलियार, देवरतन मुण्डा, रमेश मुंडा ,सुभाष साहू , पिंटू खन्ना, दिलीप श्रीवास्तव, सौरभ दास, राजा साहु, सत्यम साहु एवं ननकू मुण्डा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अवसर पर पार्षद श्रीमती किरण प्रकाश साहु ने कहा कि मितानीन ही वह कड़ी हैं जो समाज के हर घर तक स्वास्थ्य-सुविधाओं की जानकारी पहुँचाती हैं और आवश्यकता पड़ने पर हर परिवार की पहली सहयोगी बनती हैं। समारोह का मुख्य उद्देश्य मितानीनों के आत्मविश्वास को बढ़ाना, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और समाज में सेवा करने के उनके जज़्बे को और सशक्त करना रहा।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे सम्मानजनक आयोजन होते रहें, जिससे समाज में सेवा कर रही इन नायिकाओं का मनोबल निरंतर बढ़ता रहे।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर सहायक शिक्षक निलंबित

-संवाददाता-
बलरामपुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विकासखण्ड बलरामपुर शासकीय प्राथमिक शाला फतेहपुर के सहायक शिक्षक (एलबी) श्री अशोक कुमार यादव,जिनको विशेष गणन पुनरीक्षण (एसाईआर) हेतु गणना पत्रक का वितरण एवं संग्रहण कार्य किये जाने हेतु अविहित अधिकारी के रूप में मतदान केन्द्र क्रमांक-237 फतेहपुर में कार्य किये जाने हेतु आदेशित किया गया है प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार अविहित अधिकारी द्वारा (एसाईआर) के कार्य में रूचि नहीं लेना व कार्य में लापरवाही बरतना, सक्षम अधिकारी से बिना अवकाश स्वीकृत कराये कार्य पर अनुपस्थित रहना एवं निर्वाचन कार्य में सहयोग नहीं करना पाया गया है। श्री अशोक कुमार यादव का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-03 के सर्वथा विपरीत है। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा श्री अशोक कुमार यादव को सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री अशोक कुमार यादव का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बलरामपुर में निर्धारित किया गया है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

लखनपुर को मिला सर्व समाज मांगलिक भवन का तोहफा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया लोकार्पण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत लखनपुर,सरगुजा में समाज के लिए महत्वपूर्ण डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन का लोकार्पण पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम में लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह मांगलिक भवन समाज की विविधता और एकता का दर्पण है। इससे क्षेत्र की सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और सर्व समाज को सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं। अब इस भवन के माध्यम से बड़ी-बड़ी मांगलिक एवं सामाजिक गतिविधियां संपन्न होंगी,जिससे सामाजिक समरसता और विकास को बल मिलेगा। लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने भवन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह भवन सर्व समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री साहू ने सभी अतिथियों और जनता का आभार व्यक्त किया। समारोह में उपस्थित लोगों ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की और उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास समाज के विकास को नई दिशा देंगे। भवन लोकार्पण के पश्चात मंत्री श्री अग्रवाल ने स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और विकास योजनाओं की जानकारी दी। क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री अग्रवाल सहित समस्त जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

सूने मकान से लाखों रुपए के सोने चांदी जेवरात की हुई चोरी रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर नगर के घने आबादी वाले वार्ड क्रमांक 02 नगर पंचायत लखनपुर में अज्ञात चोरों ने निर्माणाधीन सीढ़ी से अंदर घुसकर पीछे का दरवाजे का कुंडी तोड़ अंदर प्रवेश किया और अलमारी का लाकर तोड़ अंदर रखे लाखों रुपए के जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। 22 नवंबर दिन शनिवार की शाम लगभग 5:00 बजे शरद प्रसाद गुप्ता पिता स्वर्गीय देव विष्णु प्रसाद गुप्ता वार्ड क्रमांक लखनपुर नगर पंचायत निवासी जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर में के पद पर कार्यरत है। प्रार्थी शरद प्रसाद गुप्ता ने लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया की 6 नवंबर की रात लगभग 9 बजे प्रार्थी अपने पत्नी के साथ सिलीगुड़ी सम अपनी बेटी के यहां जाने निकला था। 22 नवंबर को जब वह अपने घर आया और दरवाजा खोलकर देखा तो अलमारी का खुला था और सामान बिखरे पड़ा है।अलमारी के अंदर रखे सोना चांदी के जेवरात 275000 को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर दिया गया। लखनपुर पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 305,331(4) बीएस के तहत अपराध दर्ज करते हुए मामले की जांच में जुटी है।

जमीन पर कब्जा दिलाने पहुंचे थे हरियाणा के तीन बदमाश,पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे कांतिप्रकाशपुर क्षेत्र में जमीन के कब्जे को लेकर शनिवार को हुए विवाद के बाद हरियाणा के तीन कुख्यात बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी धारदार हथियार, लाठी-डंडे और लोहे की पाइप लेकर पहुंचे थे और जमीन खाली करवाने के लिए मौके पर मौजूद लोगों को धमका रहे थे। पकड़े गए तीनों आरोपी पहले भी कई आपराधिक वारदातों में शामिल रहे हैं और जेल से रिहा होने के बाद दोबारा आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक मोमिनपुरा निवासी सद्दाम खान को शनिवार को कांतिप्रकाशपुर में जमीन विवाद की खबर मिली, जिसके बाद वह मौके पर पहुंचा। वहां मोहम्मद साहिल,अताउल और अन्य लोग जमीन की नाप-जोख को लेकर फैजान,सरोज अहमद, नुमान एवं अन्य व्यक्तियों से विवाद कर रहे थे। दूसरा पक्ष यह आपत्ति जता रहा था कि उनकी जमीन पर समतलीकरण कैसे किया जा रहा है।

विवाद बढने पर फैजान अंसारी ने हरियाणा के कुछ बदमाशों को बुला लिया, जो कार क्रमांक टी 1125 एचआर 5651 डीबी से पहुंचे। कार से उतरते ही बदमाशों ने हथियार लहराते हुए सद्दाम खान सहित अन्य लोगों को गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने धमकी दी कि यदि दोबारा इस जमीन पर आए तो जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर दफन कर देंगे। बदमाशों की हरकत से मौके पर भीड़ एकत्र होने लगी, जिसके बाद वे वहां से भागने लगे। भागते समय एक स्थानीय युवक ने उनकी मदद की और अपनी कार में बैठाकर उन्हें ले जाने का प्रयास किया। सद्दाम खान की शिकायत पर पुलिस ने धारा 296(बी), 351(3), 115(2), 191(3) तथा 25-27 एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सागर उर्फ पहलवान 24 वर्ष, निवासी इसराना, जिला पानीपत, अमित कुमार, 37 वर्ष, निवासी खेड़ीसाथ, जिला रोहतक, विजय लोहार,28 वर्ष, निवासी किलोई, जिला रोहतक को घटना के बाद भागते समय दबोच लिया। तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि ये आरोपी पहले भी कई मामलों में जेल जा चुके हैं। वर्ष 2024 में थाना सीतापुर में इनके खिलाफ धारा 309(4), 310(2), 25-27,एक्ट तथा थाना गांधीनगर में धारा 308(5) के तहत अपराध दर्ज हुए थे। पुलिस के अनुसार यह गिरोह हरियाणा से आकर संगठित तरीके से अंबिकापुर और आसपास के इलाकों में जमीन विवादों में दखल कर अवैध गतिविधियाँ संचालित कर रहा था और जेल से रिहाई के बाद फिर से वारदात को अंजाम दिया।

खीस्त राजा पर्व पर मसीही सामाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

क्रिसमस से ठीक एक माह पूर्व मनाए जाने वाले खीस्त राजा पर्व के अवसर पर मसीही समाज द्वारा रविवार को शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। सरगुजा धर्म प्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में निकली यह शोभायात्रा नवापारा महागिरजाघर से प्रारंभ होकर कर्ताराम गली,गांधी चौक, घड़ी चौक,संगम चौक,महामाया चौक, गुरूनानक चौक,गुदरी चौक,जीईएल चर्च, जोड़ा पीपल,आकाशवाणी चौक, उर्सूलाईन, बिषप हाउस से होते हुए संत जेवियर स्कूल प्रांगण मैदान में समाप्त हुई। जहां समस्त धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हुए। आज के दिन होने वाले विशेष धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य अनुष्ठाता बिशप डॉ अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में नवापारा महागिरिजाघर के पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर, फादर एल्फिज व फादर सतीश कच्छप ने संयुक्त रूप से सम्पन्न कराई। रैली में सफेद ड्रेस में सजे नन्हे मुन्ने बच्चे व आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान मसीहिजन नाचते गाते हांथो में लिए झंडियों को लहराते रहे। रैली में पूर्व महापौर अजय तिर्की, मुन्ना टोप्पो, फादर अनिल एक्का, फादर संतोष, सिस्टर जार्जिना, सिस्टर ममता, संत अन्ना सिस्टर्स, होलिक्रास सिस्टर्स, उर्सुलाइन सिस्टर्स, चैरिटी सिस्टर्स, सहित बड़ी संख्या में मसीही समाज महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग शामिल रहे।

21 साल बाद भी नहीं बन सका सूरजपुर का एसपी बंगला

अब तक 19 पुलिस अधीक्षक बदल गए,आज भी अस्थायी क्वार्टर से चल रहा पुलिस जिले का संचालन

ओंकार पांडेय

सूरजपुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले को पुलिस जिला बने 21 साल पूरे हो चुके हैं, 20 नवंबर 2004 को नक्सल उन्मूलन और बेहतर कानून-व्यवस्था के उद्देश्य से यहां पुलिस जिले का गठन किया गया था, लेकिन दो दशक बाद भी प्रशासनिक ढांचा अधूरा है और पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) के स्थायी बंगले का निर्माण आज तक शुरू नहीं हो सका, स्थिति इतनी गंभीर है कि जिले ने 19 एस.पी. बदल लिए,लेकिन हर अधिकारी को अस्थायी आवास में ही रहकर काम करना पड़ा।

12 किलोमीटर दूर है अस्थायी निवास समय,ईंधन और संसाधनों की बर्बादी

वर्तमान एस.पी. का आवास शहर से लगभग 12 किमी दूर है, रोजाना दफ्तर आने-जाने में,समय की भारी खपत,सरकारी वाहन व ईंधन का अतिरिक्त खर्च,आकस्मिक निरीक्षण में देरी,त्वरित कार्रवाई पर असर,पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इतना लंबा सफर कई बार आपातकालीन स्थितियों में प्रतिक्रिया की गति को प्रभावित करता है।

21 वर्षों में कई प्रस्ताव बने... लेकिन निर्माण आज तक शुरू नहीं

सूत्र बताते हैं कि एस.पी. बंगले का प्रस्ताव कई बार भेजा गया,भूमि चयन भी कई बार किया गया,बजट स्वीकृति की फाइल बार-बार चली,पर हर बार किसी न किसी कारण फाइल रुक गई कभी भूमि उपलब्धता, कभी बजट मंजूरी, तो कभी विभागीय देरी इन्हीं कारणों से एस.पी. बंगला आज भी कागज़ों में बंद है।

एसईसीएल के पुराने क्वार्टर पर निर्भर पूरा पुलिस जिला

वर्तमान में एस.पी. निवास के रूप में एक पुराना एसईसीएल क्वार्टर उपयोग किया जा रहा है, यह स्थान, प्रशासनिक, कार्यालयों से दूर, शहर के मुख्य क्षेत्र से कटे हुए, त्वरित कार्रवाई के लिए, असुविधाजनक कई अधिकारियों का कहना है कि मुख्यालय से दूर एस.पी. का निवास सुरक्षा प्रबंधन और कानून-व्यवस्था की व्यवस्था के लिए बड़ी कमजोरी है।

स्थानीय लोगों में नाराजगी 'यह प्रशासनिक उदासीनता है'

जिले के नागरिकों, व्यापारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है जिला बनने के बाद कई सरकारी भवन बने, लेकिन एस.पी. बंगला जैसा महत्वपूर्ण ढांचा 21 वर्षों से 'अधूरे सपने' की तरह पड़ा है, यह प्रशासनिक उदासीनता का सबसे बड़ा उदाहरण है, लोगों का कहना है कि इससे जिले की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और उच्च स्तरीय पुलिसिंग प्रभावित होती है।

पुलिस अधिकारियों की राय,स्थायी बंगला बनने के ये बड़े फायदे

यदि एसपी बंगला शहर के भीतर बने तो त्वरित निर्णय लेने में आसानी, आकस्मिक कार्रवाई में गति,रात्री गश्ती व निरीक्षण में तेज़ी,कानून-व्यवस्था प्रबंधन मजबूत,प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी।

जिले को 21 साल से इंतज़ार,क्या इस बार मिलेगा समाधान?

हर वर्ष बजट,चुनाव और समीक्षा बैठकों में एस.पी. बंगला निर्माण की चर्चा जरूर होती है, लेकिन जमीनी पहल आज तक शून्य,सूरजपुरवासी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शायद इस बार प्रशासन और सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर जिले को उसका 21 साल से लंबित एस.पी. निवास उपलब्ध कराए।

बिजली विभाग मे अव्यवहारिक और जटिल नियमो से हो रहे हैं आपातकालीन कार्यो की निविदा : राजेंद्र बहादुर सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष आप

आपातकालीन कार्यो के लिए अनुभवहीन ठेकेदार एवं पंजीयन प्रपत्र की अनदेखी : प्रदेश उपाध्यक्ष आप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बहादुर सिंह ने कहा ने कहा बिजली विभाग ने सालो से चल रहे आपातकालीन एवं नए कनेक्शन जैसे अन्य कार्यो के निविदा प्रक्रिया कों अचानक से बदलकर अव्यवहारिक और जटिल नियमो के साथ पुरे साल के कार्यो का जिन कार्यो का प्रकलन और प्रकलन की राशि का भी अतापता तक नहीं हैं उनके लिए निविदा करवाया जा रहा हैं इससे ऊर्जा विभाग और बिजली विभाग का जनता के प्रति संवेदनहिंता स्पष्ट होती हैं जानकारी के मुताबिक पूर्व से चले आ रहे निविदा का आधार पंजीयन प्रपत्र के नियम होते हैं जिसका पालन व्यावहारिक मे किया जाना होता हैं नए निविदा मे भी आधार पंजीयन प्रपत्र का ही हैं लेकिन उसका पालन नहीं किया जा रहा हैं जैसे जिन ठेकेदारों का लिमिट 5 लाख जीएसटी सहित तक की ही निविदा मे भाग ले सकते हैं वो अभी जारी निविदा के लगभग 25 लाख जीएसटी सहित के निविदा मे भाग ले रहे हैं जो की पंजीयन प्रपत्र के विरुद्ध हैं और यह 25 लाख की निविदा भी तय नहीं हैं साल भर मे करोड़ो का भी कार्य इस निविदा से हो सकता हैं विषमता यह भी हैं की अलग अलग वितरण केंद्र मे निविदा के अंतर्गत की जाने वाले कार्यो मे राशि का बहुत ज्यादा अंतर होता हैं मतलब किसी ठेकेदार कों करोड़ो राशि का कार्य मिलेगा और किसी कों कुछ लाखों का जब की निविदा की प्रकृति और कार्य समान हैं उन्होंने कहा आपातकालीन कार्यो का अनुभव नहीं रखने वाले ठेकेदार निविदा के अव्यहारिकता की वजह से कार्य करेंगे तो जनता की समस्या कितनी भयावह हो सकती हैं और बिजली अधिकारी कार्य न होने की स्तिथि मे ठेकेदार कों जिम्मेदार

ठहराया जायेगा लेकिन हकीकत मे जिम्मेदारी विभाग की हैं जिसने ऐसा अव्यवहारिक और जटिल नियमो के साथ इस निविदा कों जारी किया और अगर यह निविदा जारी हुआ तो आगामी समस्या का अंदाजा लगाना संभव नहीं हैं लेकिन यह स्पष्ट हैं इसके दुर्गमी दुष्परिणाम देखने कों मिलेंगे, पहले की निविदा मे दर ठेकेदार तय करता था इस निविदा मे विभाग दर तय कर रहा हैं +5 से -5 के दर पे ही निविदा डाल सकते हैं जिन ठेकेदारों कों लगता हैं -5 की दर के नीच जाकर भी वो काम कर सकते हैं वो बाध्य होकर -5 दर ही डालेंगे उससे नीचे जाने पर निविदा निरस्त कर दिया जायेगा और अगर -5 की दर पर एक से ज्यादा निविदा डाली गई तो लौटरी से फैसला कितना तर्कसंगत हैं ऐसे अन्य कई अव्यवहारिक एवं जटिल नियमो से भरा हैं निविदा आम आदमी पार्टी ऊर्जा मंत्रालय और बिजली विभाग से आग्रह करती हैं ऐसे निविदा कों रद्द कर व्यवहारिकता और जनता के हितों कों धयान रखते हुए निविदा जारी करें अन्यथा आम आदमी पार्टी आंदोलन करेंगी

गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर शोभायात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

गुरु तेग बहादुर महाराज,भाई मती दास,भाई सती दास तथा भाई दयाला के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 23 नवंबर को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा द्वारा एक भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा दोपहर 3 बजे गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर गुरु नानक चौक,गुरु नानक वार्ड,जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक,गांधी चौक,घड़ी चौक, संगम चौक,महामाया चौक होते हुए पुनः गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में सम्पन्न हुई। इस नगर कीर्तन में पंज प्यारे के स्वरूप में सरदार नवराज सिंह, हरमिंदर सिंह भामरा,कृपाल सिंह अरोड़ा, गगनमोहन सिंह छाबड़ा एवं पवनदीप सिंह छाबड़ा ने सेवा निभाई। निशान साहिब की सेवा का दायित्व सरदार हरप्रीत सिंह छीना और गुरजोत सिंह चावला ने निभाया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गुरु तेग बहादुर, भाई मती दास, भाई सती दास तथा भाई दयाला की शहादत को दर्शाती एक ऐतिहासिक झांकी रही, जिसमें यह प्रदर्शित

किया गया कि किस प्रकार इन महान शहीदों ने अत्याचार और जुल्म के विरुद्ध खड़े होकर हिंदू धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। शोभायात्रा में गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार गुरचरण सिंह छाबड़ा, सचिव सचिन हर्षदीप सिंह धन्जल, कोषाध्यक्ष प्रितपाल सिंह मथारू, सिख समाज के वरिष्ठजन तथा विभिन्न समाजों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रधान सरदार गुरचरण सिंह छाबड़ा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों एवं धर्मरक्षा हेतु अपना शीश न्यौछावर कर मानवता को अत्याचार से मुक्त कराने का मार्ग दिखाया। उनके साथ भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला की बलिदानी परंपरा दुनिया में अद्वितीय है। उनका यह बलिदान केवल धर्म की नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मानव स्वतंत्रता की रक्षा का सर्वोच्च प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में गुरु का लंगर वितरित किया गया जिसमें सभी समुदायों के लोगों ने भाग लेकर भाईचारे एवं सद्भाव का संदेश दिया। उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी सरदार जगदीप सिंह छाबड़ा ने दी है

सीतापुर पुलिस टीम ने 3 स्थाई वारंटियो को किया गिरफ्तार

- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा की गई कार्यवाही
- लम्बित स्थाई वारंट की तमिली मे सरगुजा पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के द्वारा थाना चौकी प्रभारियों को थाना चौकी अंतर्गत लम्बित गिरफ्तारी वारंट एवं स्थाई वारंट की तमिली हेतु निर्देशित किया गया है,निर्देशों के परिपालन मे थाना सीतापुर पुलिस टीम द्वारा 03 स्थाई वारंट की तमिली की गई है। माननीय न्यायालय द्वारा मारपीट के मामले मे (01) दीपक सिदार साकिन नवापारा कॉलोनी गेट थाना छाल जिला रायगढ़ (02) लकेश्वर चंद्रा साकिन नवापारा

थाना छाल जिला रायगढ़ (03) संगीता राठिया साकिन नवापरा थाना छाल जिला रायगढ़ का प्रकरण मे स्थाई वारंट जारी किया गया था, माननीय न्यायालय से जारी स्थाई वारंट के अनुसार पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी (01) दीपक सिदार साकिन नवापारा कॉलोनी गेट थाना छाल जिला रायगढ़ (02) लकेश्वर चंद्रा साकिन नवापारा थाना छाल जिला रायगढ़ (03) संगीत राठिया साकिन नवापारा थाना छाल जिला रायगढ़ को पकड़कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा फरार वारंटियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, आगे भी यह कार्यवाही निरंतर जारी रखी जायगी।

पूर्व तहसीलदार का स्टे, वर्तमान तहसीलदार की चुप्पी...

क्या यह चुप्पी मुफ्त में मिली है? या फिर इसकी कीमत लाखों में तय हुई?

मुआवजा लेने वालों का कब्जा जारी–और तहसीलदार की चुप्पी अब सवालों से ज्यादा 'सौदे' की तरह दिखने लगी है...

नेशनल हाईवे की जमीन पर मुआवजा खाकर दोबारा कब्जा...

तहसीलदार की चुप्पी नहीं– यह 'कीमत तय होने के बाद की खामोशी' लगती है...

सड़क निर्माण में ज़मीन अधिग्रहण को लेकर बड़ा खुलासाः तीन-तीन विभागीय पत्रों में सामने आया अतिक्रमण का पूरा मामला

तहसील पटना, कोरिया जिले में सड़क निर्माण के नाम पर निजी कब्जे,गलत जानकारी और आदेशों की लापरवाही का नया खुलासा

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना,23 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

नेशनल हाईवे की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला अब सिर्फ 'अतिक्रमण' नहीं रह गया है यह राजस्व विभाग और तहसील स्तर की कथित डीलबाज़ी का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। दैनिक घटती-घटना की जांच में सामने आया है कि जो लोग जमीन अधिग्रहण में सरकारी मुआवजा ले चुके हैं,वे अब उसी जमीन पर नया निर्माण कर रहे हैं, पूर्व तहसीलदार ने इस अवैध निर्माण पर स्टे लगाया था, लेकिन वर्तमान तहसीलदार ने महीनों तक उस स्टे का निराकरण तक नहीं किया, और इसी चुप्पी के बीच निर्माण तेजी से जारी रहा, सूत्रों का दावा है कि यह चुप्पी 'चुप्पी' नहीं, बल्कि भारी भरकम रकम देकर खरीदी गई चुप्पी है।

बता दे की राष्ट्रीय राजमार्ग की जमीन पर कब्जा और विभागों की खामोशी, 2018 में जिस जमीन का अधिग्रहण पूरा हो चुका था,जिस पर 3ए-3डी नोटिफिकेशन लागू था, जिसका अवार्ड पारित हो चुका था, उसी जमीन पर बाद में 600 वर्गमीटर से ज्यादा अवैध निर्माण कैसे खड़ा हो गया? और सबसे बड़ा सवाल है किस अधिकारी की चुप्पी ने इस अतिक्रमण को जन्म दिया? दैनिक घटती-घटना की जांच में सामने आए दस्तावेज़ बताते हैं कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की संगठित चुप्पी है।

तहसील पटना– भ्रष्टाचार,दबाव और 'रिश्तेदारी शासन' का नया केंद्र

वर्तमान तहसीलदार पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में हैं,और सुर्खियों का कारण कोई उपलब्धि नहीं, बल्कि- मंत्री के रिश्तेदार को जमीन दिलाने का मामला,अवैध प्लॉटिंग में संरक्षण,शिकायत पर कार्रवाई न करके उल्टा फरियादी को परेशान करना और अब नेशनल हाईवे की जमीन पर हो रहा अवैध निर्माण दफ्तर के बाहर इंतज़ार कर रहे लोग बताते हैं, यहाँ बिना चढ़ावा दिए कोई काम नहीं होता, काम करने के लिए पैसा जरूरी है, शिकायत करने पर काम अटक जाता है, यह सिर्फ आरोप नहीं यह पटना तहसील में पिछले छह महीनों की जमीनी हकीकत है।

सबसे बड़ा सवालःस्टे लगाने के बाद भी निर्माण कैसे जारी रहा?

पूर्व तहसीलदार ने अवैध निर्माण रोकने का आदेश जारी किया,जमीन को एनएच की संपत्ति' घोषित किया,और अतिक्रमण हटाने प्रक्रिया शुरू की लेकिन जैसे ही तहसीलदार बदले निर्माण बिना किसी रोक-टोक के आगे बढ़ गया,क्या नई पोस्टिंग के साथ नए रेट तय हुए थे? क्योंकि न तो कोई नोटिस जारी हुआ,न कार्रवाई,न स्टे का पालन,न शिकायत का निवारण,एनएच विभाग लिखित में अवरोध बता चुका है,पीडब्ल्यू ने चेतावनी दी है,लेकिन तहसीलदार का कार्यालय मौन धारण किए बैठा है!

क्या राजनीतिक संरक्षण इस 'मौन स्वीकृति' की असली वजह?

स्थानीय चर्चाओं में खुलकर कहा जा रहा है कि वर्तमान तहसीलदार विधायक के बेहद करीबी हैं,और उन्हें मंत्री का रिश्तेदार बताया जाता है, इसलिए उन पर कोई बोलने की हिम्मत नहीं करता, और शायद इसी प्रोटेक्शन शील्ड के कारण ही उनके खिलाफ शिकायतें कूड़े में डाल दी जाती हैं।

जनता का गुस्सा–'तहसीलदार हटाओ' की मांग तेज

पटना तहसील के बाहर,बाजारों में,और सरकारी गलियारों में एक ही चर्चा है इन्हें हटाओ–वरना पूरा तहसील 'रकम-शासन' में बदल जाएगा! लोग पूछ रहे हैं जो सरकारी जमीन एनएच के नाम दर्ज है, जिसका मुआवजा बांटा जा चुका है,जिस पर निर्माण के खिलाफ स्टे है, उस जमीन पर तहसीलदार की नाक के नीचे इमारत कैसे खड़ी हो रही है? क्या यह सिर्फ अनदेखी है? या फिर ÷मूल्य तय कर चुप्पी बेचने÷ का खेल?

यह मामला अब बड़े स्तर की कार्रवाई की मांग करता है

दैनिक घटती-घटना मांग करता है कि- पूरे प्रकरण की राजस्व मंडल स्तर पर जांच हो, पूर्व तहसीलदार द्वारा लगाए गए स्टे को दबाने वालों पर एफआईआर हो, एनएच की जमीन पर कब्जा करने वाले व उनके संरक्षकों की पहचान उजागर हो, वर्तमान तहसीलदार को तत्काल हटाकर जांच के दायरे में लाया जाए

अंतिम सवालःकौन है यह रहस्यमय 'कब्जाधारी'? जिसके सामने विभाग भी खामोश हो गए?

कागजों में उसकी पहचान साफ हैज लेकिन रिपोर्टों में उसका नाम जाने-अनजाने गायब रखा गया है, क्यों? क्या वह प्रभावशाली है? क्या उसके पीछे कोई संगठन/नेता/अधिकारी है? क्या इसलिए अधिकारियों ने सालों तक देखने का नाटक किया? इस खबर का अगला हिस्सा इसी पर केंद्रित होगा कौन है इस सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाला? दैनिक घटती-घटना इस मामले को जड़ तक खोदकर, नाम के साथ, दस्तावेज़ों के साथ आपके सामने अगले अंक में लाएगा।

पूर्व तहसीलदार ने निर्माण रोक दिया था,लेकिन जैसे ही नये तहसीलदार आये निर्माण तेज़ कर दिया गया

तीन विभाग,तीन रिपोर्ट,तीन सच–और हर सच एक-दूसरे से उलटा!

तहसील का दावा-सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, 3834/2 और 3825/2 पर पक्का निर्माण,सड़क निर्माण रुका हुआ,कार्रवाई की जरूरत। लोक निर्माण विभाग का दावा अधिग्रहण पूरा–3डीलागू–अवार्ड पारित–जमीन सरकारी! तो फिर निर्माण कैसे? राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की रिपोर्टः सड़क अवरुद्ध है,अतिक्रमण हटाओ। यानी विभाग भी मान चुका कि कब्जा है। तो सवाल सीधा है यदि तीनों विभाग मान रहे हैं कि जमीन सरकारी है,तो अतिक्रमण रोकने का काम किसने छोड़ा? और किसके इशारे पर छोड़ा?

2018 में भूमि सरकारी हो गई पर उसके बाद निर्माण होता रहा

ये सिर्फ लापरवाही नहीं,संरक्षण है,किसी गांव का आम आदमी भी जानता है कि 3डी नोटिफिकेशन के बाद जमीन राज्य की संपत्ति हो जाती है,एक कील भी नहीं ठोकी जा सकती,घर तो दूर,600 वर्गमीटर का निर्माण कैसे हो गया? क्या यह संभव है कि पटवारी को पता न चला हो? तहसीलदार को शिकायत न मिली हो? पीडब्ल्यूडी को निर्माण न दिखा हो? एनएचविभाग को सड़क रुकने का पता न चला हो? यह पूरा विभागङ्कस्तरीय मौन किसी मिलीभगत की बू देता है।

करोड़ों की लागत की सीसी रोड चढ़ रही भ्रष्टाचार की भेट

बिना आर.एम. सी प्लांट के कागज मे संचालित प्लांट बताकर किया जा रहा है सीसी सड़क का निर्माण कार्य

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां, 23 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री के द्वारा गुणवत्ता विहीन सड़कों के निर्माण कार्य कराये जाने पर कडी कार्यवाही करने के निर्देश के बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के द्वारा सड़क निर्माण कार्य और कंक्रीट का निर्माण कार्य धड़ल्ले से गुणवत्ता विहीन कार्य कराया जा रहा है ?

खड़गवां मुख्य मार्ग से अगरिया पारा से आधीबार पहुंच मार्ग.करोडो रूपए की लागत की सी सी सडक के निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा आर एम सी प्लांट में निर्माण समाग्री का एक सामान्य मात्रा में मिश्रण करना होता है जो ग्रेडिंग के अनुसार सामग्री तैयार होती है। जबकि यहां सी सी सडक एवं पुल पुलिया निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के नजरों के सामने और उनकी देखरेख में जबकि विभाग के एक इंजिनियर की डियूटी होती है कि सी सी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोई गुणवत्ता और

मापदंड में कमी ना हो सी सी सड़क गुणवत्ता युक्त निर्माण हो मगर यहां तो रक्षक ही भक्षक बन कर निर्माण कार्य करा रहे है?

जिसका परिणाम यह है कि सीसी सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता चंद महीनों में ही दिखाई देने लगती है जिस कारण सड़क निर्माण कार्य में मशीनों का उपयोग नहीं करने के कारण सही सामाग्री का मिश्रण कर आर एम सी प्लांट से नहीं होने के कारण ये सड़क गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य किया जा रहा है जो कुछ दिनों बाद जगह जगह से उखड़ने लगी जाती है?

सड़क के उखड़ने का सही कारण निर्माण सामग्री का सही और गुणवत्ता युक्त किस मात्रा में कौन सी सामग्री का मिश्रण कर तैयार किया जाना होता है और इस पर सही तरीके से बाईब्रेटर का चलाया जाना। अधिकारियों ने इसकी जाच करने की जरुरत कभी नहीं समझी और ना ही कभी निरीक्षण के दौरान कोई प्रश्न चिन्ह लगाया अधिकारी सिर्फ कागजों में कार्यो का निरीक्षण करने का दावा करते नहीं थक रहे हैं? लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ के द्वारा खड़गवां विकासखंड मुख्यालय के आसपास क्षेत्र में सी सी सडक पुल पुलिया निर्माण कार्य करोडो रुपए की लागत से हो रहा है इस सी सी सड़क निर्माण कार्य सड़क नवनिर्माण एवं उन्नयन के कार्य मे नियोजित ठेकेदार द्वारा जमकर मनमानी बरती जा रही है। सी सी सड़क निर्माण के इस कार्य मे पुल- पुलिया निर्माण के दौरान भी गुणवत्ताहीन निर्माण सामाग्री का उपयोग करते हुए कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। यह खड़गवां मुख्यालय में ग्राम खड़गवां में उक्त सड़क मार्ग का नवनिर्माण व उन्नयन कार्य का ठेका ठेकेदार को मिला हुआ है लेकिन ठेकेदार के द्वारा अपनी मनमानी के कारण सी सी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य को बिना आर एम सी प्लांट के ही 50/ प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है?

इस सीसी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के देखरेख में हो रहा है पुल- पुलिया निर्माण कार्य में कांक्रीटिंग के दौरान प्राक्कलन के विपरीत निर्माण सामाग्री का उपयोग किया गया है, जबकि जो कांक्रीट सामाग्री क्वालिटी परीक्षण हेतु रखा गया था उस सामाग्री में अतिरिक्त सीमेंट डालकर गुणवत्तापरख दिखाने का पूरा प्रयास किया गया है। और पुल पुलिया निर्माण स्थल पर कुछ और बया कर रहे हैं। इस प्रकार जमकर गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य को अंजाम दिया गया है। जिसकी जांच उच्च अधिकारियों की टीम से मौके पे जाकर सी सी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री और सड़क पर बिछाई गई लेयर की पूर्ण जांच करने पर सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। लेकिन ऐसा नही हो पा रहा है,जिससे होने वाले कार्य की मजबूती पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो रहा है? जबकि इस सीसी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य की देखरेख करने वाले संबंधित अधिकारी ठेकेदार के हाथों की कठपुतली बन कर उनके इशारे पर नाचते नजर आते हैं,तो वही क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनियों के पास भी इतनी फुर्सत नही कि किस कदर कार्य कराया जा रहा है, उसका मौके पर जाकर निरीक्षण कर सके।

इस संबंध में जब निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर विभागीय के साइड इंजिनियर के एस लोध से फोन पर संपर्क करना चाहा तो उनका फोन कवरेज क्षेत्र में था और अगर फोन लग भी गया तो ये अधिकारी फोन उठाना मुनासिब नहीं समझते है।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700069

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-26
अम्बिकापुर प.ह.नं.00015[(हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-अब्दुल रमीज,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक अब्दुल रमीज पिता अब्दुल हमीद, निवासी ग्राम-महगंवा , तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित कुल खसरा नंबर 3744/1,3745/4,3746/3कुल रकबा 0.012,0.032,0.057 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/11/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसील-अंबिकापुर

तहसीलदार/कार्यापालिका दण्डाधिकारी, रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 /ब-121 वर्ष/25-26

ईश्तहार

आम जनता ग्रामवासी ग्राम पटना को सूचित किया जाता है कि श्री रामनारायण सिंह आ0 श्री नाहर सिंह जाति गोंड निवासी ग्राम पटना थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला- सूरपुर (छ0ग0) द्वारा अपने बाबा सजीवन आ0 शोभित का मृत्यू दिनांक 19/02/2015 को होने से अपने बाबा सजीवन आ0 शोभित का मृत्यू प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिस पर कार्यवाही प्रारेभ कर दि गई है।

जिस किसी आम जनता/ग्रामवासीयों को कोई आपत्ति/आक्षेप हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 03/12/2005 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के पश्चात कोई विचार नही किया जावेगा एवं आदेश जारी कर दी जावेगी।

दिनांक 19/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
रामानुजनगर,
जिला-सूरजपुर छ0ग0

भर्ती में बड़ा खेल

शिकायतों के बाद भी गड़बड़ी वाली सूची ही जारी

सूरजपुर के महिला बाल विकास विभाग पर गंभीर सवाल

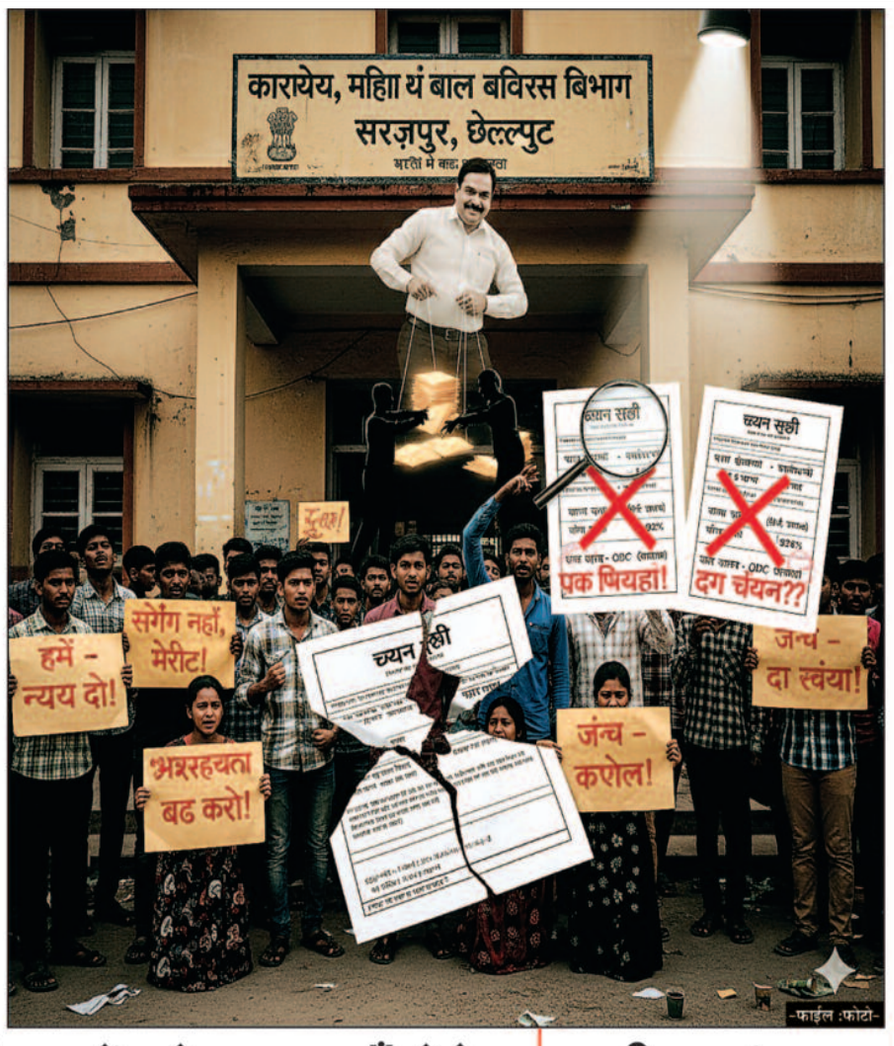

-फाईल :फोटो-

अनुभव बदल गए,प्रतिशत बढ़ गए,चयन सूची में 'फेवरेट नाम'- दस्तावेज़ों ने खोली पोल

पूजा गोस्वामी के दोहरे अनुभव से लेकर केस वर्कर के बदलते प्रतिशत तक–हर जगह गड़बड़ी का पैटर्न एक जैसा...

शिकायतें कलेक्टर तक पहुँचने के बावजूद विभाग ने वही सूची जारी की... अब पूरी प्रक्रिया जांच के दायरे में...

महिला एवं बाल विकास विभाग में भर्ती पर गंभीर सवाल!

अनुभव अंक काटे गए, प्रतिशत बदले गए, दो पदों में अलग-अलग रिकॉर्ड, शिकायतें कलेक्टर तक पहुँचीं

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,23 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर इंटरव्यू एक और चयन दो वर्गों में? डब्ल्यूसीडी भर्ती के सबसे खतरनाक विरोधाभास उजागर-सुपरवाइज़र ओबीसी में चयनित उम्मीदवार वही जो अनारक्षित में चयनित,मनीषा कुशवाहा के नाम को दोनों जगह प्रतिक्षा सूची में डालना, केस वर्कर में भी एक ही उम्मीदवार दो वर्गों में चयनित, दूसरे उम्मीदवार को दोनों जगह प्रतिक्षा सूची में धकेल देना,यह साफ दर्शाता है कि चयन 'मेरिट' नहीं, बल्कि 'सेटिंग' के हिसाब से किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर में जिला बाल संरक्षण इकाई और जिला स्तरीय चाइल्ड हेल्पलाइन के पदों पर जारी चयन सूची ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है, शिकायतें लगीं, दस्तावेज दिए गएज फिर भी वही नाम फाइनल, जिन नामों पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति लगाई थी, जिनकी पात्रता-अपात्रता पर सवाल उठाए गए थे, विभाग ने शिकायतों की जांच करने के बजाय उन्हीं नामों को अंतिम सूची में शामिल कर दिया, अभ्यर्थियों का आरोप सीधा-सपाट है जिसे जोड़ना था, उसे जोड़ा गया जिसे हटाना था,उसे हटाया गया। सारी प्रक्रिया फाइलों में पहले ही तय थी! महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर-सरगुजा की मिशन वात्सल्य,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और केस वर्कर भर्ती में गंभीर अनियमितताओं का पूरा दस्तावेजी रिकॉर्ड सामने आ गया है,नई जानकारी से यह स्पष्ट हो गया है कि मामला केवल 'त्रुटि' नहीं बल्कि पूरी चयन व्यवस्था की सुनियोजित इंजीनियरिंग जैसा दिख रहा है। दैनिक घटती-घटना को जिन दस्तावेज़ों की प्रतियां मिली हैं उनमें अनुभव अंकों में हेरफेर, प्रतिशत में भारी अंतर, दोहरे अनुभव, आरक्षण कोटे का गलत उपयोग, एक ही उम्मीदवार के दो जिलों में दो अलग रिकॉर्ड, चयनित अभ्यर्थियों से विभागीय संबंध, शिकायत के बाद भी उसी सूची को जारी कर देना जैसी गंभीर विसंगतियाँ शामिल हैं।

विवादित अभ्यर्थियों की सूची (दो जिलों के रिकॉर्ड से मेल खाते नाम)

1. पूजा गोस्वामी-दोहरा अनुभव,विभागीय प्रभाव का आरोप
2. फुलेश्वरी / बुधन राम-अनुभव सत्यापन व अंक विवाद
3. खुशबू जयसवाल-सुपरवाइज़र (अनारक्षित)- अनुभव मान्यता पर आपत्ति
4. रीता सिंह-आरक्षण कोटे में अंक जोड़ने पर सवाल
5. मनीषा कुशवाहा-दो श्रेणियों का लाभ लेने की आशंका
6. यशोद गुप्ता- केस वर्कर-अनुभव की गलत गणना
7. प्रकाश राजवाड़े प्रतिशत विवाद,पात्र-अपात्र सूची में अंतर

सभी नाम कलेक्टर व विभाग को दिए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ों में दर्ज हैं।

अंतिम सवाल जो विभाग को जवाब देना होगा...

1. शिकायतों की जांच क्यों नहीं की गई?
2. विवादित नामों को अंतिम सूची में कैसे शामिल किया गया?
3. पात्र अभ्यर्थियों को बाहर क्यों किया गया?
4. क्या विभाग में पहले से तय नामों को वैधता देने के लिए ही पूरी प्रक्रिया चलाई गइ?
5. क्या अब विभाग ऐसे आदेशों पर बैठेगा जो योग्य बेरोज़गार युवाओं का भविष्य छीन रहे हैं?

इससे बड़ा अनियमितता का सबूत और क्या होगा? यह दर्शाता है कि...

इंटरव्यू केवल एक औपचारिकता था...

चयन पहले से सेट थे...

वर्गानुसार चयन सूची बाद में तैयार की गई...

दोहरी एंट्री और दोहरी मेरिट से फेवर प्रदान किया गया...

वहीं नाम बार-बार चयनित दिखाई दिए...

और वही प्रतिक्षा उम्मीदवार दोनों वर्गों में पीछे धकेला गया...

जहां-जहां 'बंसल मॉडल' के अधिकारी होंगे,निष्पक्षता की उम्मीद क्यों?

अभ्यर्थियों का कहना है कि विभाग में बैठे कुछ अधिकारियों का व्यवहार शुरू से ही पक्षपातपूर्ण रहा। बंसल जैसे अधिकारी जहाँ होंगे, वहाँ भर्तियों में पारदर्शिता की उम्मीद बेमानी है, लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि मनेंद्रगढ़ में भी महिला बाल विकास भर्ती में गड़बड़ी सामने आई थी...अब सूरजपुर में भी वही कहानी दोहराई गई? कुछ महीने पहले मनेंद्रगढ़ में इसी विभाग की भर्ती को लेकर भारी विरोध हुआ था और तत्कालीन विधायक ने मामले को सदन तक उठाया था। अब सूरजपुर की भर्ती ने यह साफ कर दिया कि शिकायतें मिलती जरूर हैं, लेकिन विभाग जांच करता नहीं–सीधे सूची जारी कर देता है।

नई विसंगतिः इंटरव्यू एक–चयन दो वर्गों में!- ये कैसा मापदंड, ये कैसा मूल्यांकन?

महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्ती में अब एक और चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, एक ही उम्मीदवार का चयन दो-दो वर्गों में, और दूसरी ओर उसी पद पर दूसरे उम्मीदवार को दोनों जगह प्रतिक्षा सूची में डाल देना, यह साफ संकेत देता है कि मेरिट नहीं, बल्कि सूची को मनमर्जी से फिट किया गया।

सुपरवाइज़र (ओबीसी वर्ग) में विरोधाभास

चयनितः दिनेश कुमार यादव, प्रतिक्षा सूची मनीषा कुशवाहा लेकिन सुपरवाइज़र (अनारक्षित वर्ग) में भी वही खेल, चयनितः प्रगति शाह प्रतिक्षा सूचीः वही मनीषा कुशवाहा अर्थात एक ही उम्मीदवार (मनीषा कुशवाहा) को दोनों वर्गों में एक साथ प्रतिक्षा सूची में रखना, यह साफ दिखाता है कि पात्रङ्कअपात्र निर्धारण और मेरिट गणना समान नहीं थी, अगर इंटरव्यू एक था, अंक समान थे, दस्तावेज़ समान थे तो दो वर्गों में दो अलग निर्णय कैसे?

केस वर्कर (अनारक्षित) में अगली गड़बड़ी

चयनितः यशोदा गुप्ता, प्रतिक्षा सूचीः प्रकाश राजवाड़े लेकिन फिर केस वर्कर (अन्य पिछड़ा वर्ग) में भी वही दोहराव, चयनित वही यशोदा गुप्ता (ओबीसी में भी चयनित!) प्रतिक्षा सूचीः वही प्रकाश राजवाड़े अर्थात्- इंटरव्यू एक–चयन दो वर्गों में! यह विभागीय नियमों का सीधा उल्लंघन है, यह विसंगति क्या साबित करती है? उम्मीदवार का अनुभव वही, इंटरव्यू भी वही, अंक भी वही, दस्तावेज़ वही फिर अनारक्षित में भी वही चयनित, ओबीसी में भी वही चयनित, दूसरा उम्मीदवार दोनों वर्गों में प्रतिक्षा सूची में डाल दिया गया, यह साफ संकेत है कि चयन सूची को फेवरिट उम्मीदवारों के लिए मैच किया गया, और वर्ग बदलकर सीटें 'एडजस्ट' की गईं।

घटती-घटना की टिप्पणी...

यह मामला अब जिला स्तरीय समिति से ऊपर उठ चुका है,यह सीधे राज्य मिशन संचालक, रायपुर या स्वतंत्र जांच (एसआईटी) के अधीन जाना चाहिए...

प्रश्न यह है कि शिकायतों को बिना जांच कैसे दबा दिया गया?

अभ्यर्थियों ने लिखित आवेदन,प्रमाण,अनुभव पत्र और गड़बड़ी के दस्तावेज जमा किए पर विभाग ने न तो कोई फैक्ट-फाइंडिंग समिति बनाई,न ही दस्तावेजों की जांच की और न ही अभ्यर्थियों को सुनवाई हुई और अंत में उसी सूची को अंतिम घोषित कर दिया जिसके खिलाफ शिकायतें थीं।

क्या यह न्याय है?

क्या अब अपात्र ही पदों पर बैठेंगे और योग्य बेरोज़गार घूमते रहेंगे? अभ्यर्थियों का आरोप है कि जिनके अनुभव विवादित हैं उन्हें चयनित कर दिया गया,जिनके दस्तावेज अधूरे हैं उन्हें पात्र बताया गया,जिनके खिलाफ शिकायतें लंबित थीं उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाकर अंतिम सूची में डाल दिया गया,इससे यह साफ हो गया कि जिन्हें नौकरी देनी थी, उन्हें हर हाल में देनी थी।

सबसे बड़ा सवाल...शिकायत और जांच प्रक्रिया का मज़ाक क्यों बनाया गया?

अगर शिकायतों की कोई वैल्यू ही नहीं थी,तो फिर विभाग ने अभ्यर्थियों से शिकायतें मंगाई ही क्यों? क्या यह प्रक्रिया सिर्फ 'औपचारिकता' थी? क्या सब पहले से तय था और इंटरव्यू, कौशल परीक्षा,पात्रता सूची – सब दिखावा था?

अब आगे क्या? अभ्यर्थियों में आक्रोश बढ़ा हाईकोर्ट तक जाने की तैयारी

सूत्रों के अनुसार कई अभ्यर्थी इस सूची के खिलाफ कलेक्टर,जिला कार्यक्रम अधिकारी,आयुक्त रायपुर और यहां तक कि हाईकोर्ट बिलासपुर तक जाने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि प्रश्न सिर्फ एक नहीं – पूरी प्रक्रिया पर है।

जिन अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठे...

अभ्यर्थियों के आवेदनों में इन नामों पर गंभीर आपत्ति...घटती-घटना आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता,शुभम बंसल-जिला कार्यक्रम अधिकारी,मनोज जायसवाल-बाल संरक्षक अधिकारी पर आरोप पात्र-अपात्र सूची,अनुभव,सत्यापन,प्रतिशत प्रविष्टि और चयन के अंतिम चरण में संदिग्ध भूमिका।

निष्कर्षः मामला जिला स्तर पर नहीं, राज्य स्तर की जांच योग्य बन चुका है...

इस पूरे विवाद में सामने आए मुख्य तथ्य दोहरा अनुभव, दोहरा प्रतिशत, अलग-अलग जिलों में अलग रिकॉर्ड,अनुभव अंक काटना,सूची पहले से तय होने के संकेत,विभागीय संबंधों का प्रभाव,शिकायतों को नज़र अंदाज़ करना ये सभी संकेत देते हैं कि यह मामला आम भर्ती विवाद नहीं,बल्कि एक पूर्ण पैटर्न वाली चयन प्रक्रिया है।

अब तक बॉलीवुड से आती थी दुल्हन, क्रिकेटर्स का खूब रहा हसीनाओं से चक्कर

अब स्मृति मंधाना ने बदल दिया समीकरण?

स्मृति मंधाना आज अपने मंगेतर पलाश मुच्छल के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली थीं। लेकिन पिता की तबीयत बिगड़ने के बाद शादी की रस्में नहीं हो पाई हैं। बॉलीवुड और क्रिकेट की दुनिया का खासा नाता रहा है और बीते कई साल से क्रिकेट खिलाड़ियों के बॉलीवुड हीरोइन्स के साथ रिश्ते रहे हैं। अब तक हमेशा दुल्हन बॉलीवुड की रही और लड़का क्रिकेट की दुनिया का। अनुष्का शर्मा से लेकर सागरिका घटगे की कहानी सभी को पता है। लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने इस ट्रेंड को बदल दिया है और इस बार दूल्हा बॉलीवुड का है। वहीं दुल्हन क्रिकेट के मैदान से आ रही है। आज यानी 23 नवंबर को दोनों की शादी हो रही थी लेकिन पिता की तबीयत बिगड़ने के बाद शादी की रस्मों को आगे बढ़ा दिया है।

स्मृति मंधाना ने बदला समीकरण?

बॉलीवुड और क्रिकेट की दुनिया शोहरत के काफी करीब रहती हैं और दोनों ही दुनिया के लोगों को खूब फेम मिलता है। अब तक हमने देखा कि बॉलीवुड हीरोइन्स को क्रिकेटर्स से प्यार हुआ और शादी रचा ली। इनमें विराट कोहली-अनुष्का शर्मा, हार्दिक पांड्या-नताशा, युवराज सिंह-हेजल कीच, जहीर खान-सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह-गीता बसरा, संगीता बिजलानी-अजरुद्दीन और शर्माला टैगोर-अली खान जैसे नाम के साथ उनकी प्रेम कहानियां खूब देखने को मिली हैं। लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि दूल्हा बॉलीवुड का है और दुल्हन क्रिकेट के मैदान की शेरनी है। इस शेरनी का नाम है स्मृति मंधाना जिनके बल्ले ने विश्वकप की ट्रॉफी भारत के नाम कराने में अहम योगदान दिया है। स्मृति का दूल्हा बॉलीवुड से है और म्यूजिक कंपोजर के तौर पर काम करते हैं। इनका नाम है पलाश मुच्छल और ये बॉलीवुड की सुपरहिट सिंगर पलक मुच्छल के भाई हैं। पलाश खुद भी एक म्यूजिक कंपोजर हैं और अब तक की गाने भी बना चुके हैं।

फिल्मी अंदाज में किया शादी के लिए प्रपोज

इससे पहले एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें स्मृति मंधाना ने पलाश मुच्छल से अपनी सगाई की पुष्टि करते हुए अपनी बड़ी सगाई की अंगूठी दिखाई थी। क्लिप में वह अपनी टीम के सदस्यों के साथ नाचती हुई दिखाई दे रही थीं, जिससे उनकी सगाई की पुष्टि हुई। बाद में, एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें पलाश स्मृति को एक स्टेडियम में ले जाते हुए घुटनों के बल बैठकर अपनी प्रेमिका को प्रपोज करते हुए दिखाई दे रहे थे। मंधाना ने भी इस डील पर मुहर लगाते हुए अपनी उंगली पर हमेशा के लिए बैंड बांधा। उनके परिवार के सदस्य भी उनके साथ शामिल हुए और पलाश अपनी होने वाली पत्नी को गले लगाने के बाद दिल खोलकर नाचते हुए नजर आए। बता दें कि स्मृति और पलाश की मुलाकात 2018 में आपसी दोस्तों के जरिए हुई थी। बताया जाता है कि क्रिकेट और गानों में उनकी साझा रुचि ने उन्हें एक-दूसरे से जोड़ा और उनके हमेशा के सफर के मजबूत पुल को मजबूत किया। इस जोड़े ने 2024 तक अपने रिश्ते को सबसे छुपाकर रखा था।

आईएएस अफसर जो बन गया एक्टर

पहले ही अटेंप्ट में पास की यूपीएससी परीक्षा, प्यार में मिले धोखे ने बदली थी किस्मत

यूपीएससी की परीक्षा पास करना कोई छोटी बात नहीं है। इसे पास करने के लिए लोग कईङ्ककई साल मेहनत करते हैं और कई बार तो कई अटेंप्ट देने पड़ते हैं और इनमें से कुछ ही होते हैं, जिन्हें सफलता मिल पाती है। ऐसे में कौन ही होगा, जो अपने आईएएस अफसर के पद को छोड़ किसी और इंडस्ट्री का रुख करे? लेकिन, अभिनय की दुनिया में एक सितारा ऐसा है, जिसने यूपीएससी में 94वीं रैंक हासिल की और आईएएस अफसर बने, मगर अपने पैशन के लिए इन्होंने एक्टिंग की राह पकड़ ली। हम बात कर रहे हैं पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह की। जिन्होंने कड़ी मेहनत करके यूपीएससी पास की और आईएएस अधिकारी बने, लेकिन सरकारी नौकरी में उनका मन नहीं लगा। बचपन से ही एक्टर बनने का सपना देखने वाले अभिषेक के भीतर एक्टिंग का जुनून फिर से जाग उठा और आखिरकार उन्होंने अपनी आईएएस की नौकरी छोड़ दी और फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी की शिरकत

जौनपुर के रहने वाले अभिषेक सिंह पिछले दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपनी उपस्थिति को लेकर चर्चा में रहे और फिर फिल्मफेयर ग्लैमर और स्टाइल अवॉर्ड को लेकर भी सुर्खियों में रहे। उर्वशी रौतेला के साथ स्टेज पर अपनी परफॉर्मेंस से उन्होंने धूम मचा दी। अभिषेक सिंह एक आईएएस अधिकारी रह चुके हैं, लेकिन अभिनय के अपने पैशन के चलते इन्होंने अपने शानदार करियर को छोड़कर अभिनय की राह पकड़ ली और सबको चौंका दिया।

विवादों में उलझकर छोड़ी नौकरी

अभिषेक सिंह ने 2023 में आईएएस सेवा से इस्तीफा दे दिया था। जौनपुर के रहने वाले अभिषेक ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और 2011 में पहले ही अटेंप्ट में यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा निकाल ली और ऑल इंडिया 94वीं रैंक हासिल की। उन्होंने इसी साल एक आईएएस अफसर के रूप में सफर शुरू किया, लेकिन फिर विवादों में उलझकर उन्होंने 2023 में आईएएस पद से इस्तीफा दे दिया और फुल टाइम एक्टर बन गए।

2020 में किया डेब्यू

अभिषेक सिंह ने 2020 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने एक शॉर्ट फिल्म चार पंद्रह से अभिनय की शुरुआत की और फिर बी प्राक के हिट सॉन्ग दिल तोड़ के में दिखाई दिए, जिसे 24 घंटे में ही 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए। इसी के बाद अभिषेक सिंह चर्चा में आ गए। वह जुबिन नौटियाल के गाने तुझे भूलना तो चाहा में दिखाई दिए और दिल्ली क्राइम के दूसरे सीजन का भी हिस्सा रहे। अब वह ऐतिहासिक ड्रामा 1946 डायरेक्ट एक्शन डे में लीड रोल निभाते नजर आएंगे और सनी लियोनी के साथ थर्ड पार्टी सॉंग को लेकर भी चर्चा में रह चुके हैं।

प्यार में मिला था धोखा

एक इंटरव्यू में अभिषेक सिंह ने अपनी जिंदगी के टर्निंग पॉइंट का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि कैसे कॉलेज के दिनों में प्यार में मिले धोखे ने उन्हें पूरी तरह बदल दिया और अंदर से तोड़कर रख दिया। इस घटना के बाद उनके दिमाग में सुसाइड तक के ख्याल आने लगे थे। किसी तरह उन्होंने अपने आपको इस स्थिति से बाहर निकाला और खुद को यूपीएससी की तैयारी में झोंक दिया। प्यार में मिले धोखे के दर्द को उन्होंने ताकत में बदल लिया और फिर 2011 में ऑल इंडिया 94वीं रैंक के साथ पहले ही अटेम्प्ट में यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की।

दिसंबर में दुल्हन बनेंगी तनुश्री दत्ता

तनुश्री दत्ता लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं,लेकिन अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब एक्ट्रेस अपनी शादी को लेकर बात करके एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उन्होंने हाल ही में इस बारे में खुलकर बात की और बताया कि वह शादी करने की इच्छुक हैं।

बेटे की बनेंगी मां? बोलीं- 90 साल की साधक ने बताया है

तनुश्री दत्ता एक समय पर बॉलीवुड की सबसे बोल्ड अभिनेत्री हुआ करती थीं। इमरान हाशमी के साथ आशिक बनाया आपने% में अपने अभिनय से उन्होंने हर तरफ हलचल पैदा कर दी थी। इस फिल्म के बाद से ही उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बोल्ड और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में गिना जाने लगा था। लेकिन, एकाएक तनुश्री ने कुछ विवादों के बाद इंडस्ट्री से दूरी बना ली और अब भी वह बड़े पर्दे से दूर ही चल रही हैं। लेकिन, एक बार फिर तनुश्री चर्चा में हैं। अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहने वालीं तनुश्री ने एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर कुछ दावे किए हैं और शादी और परिवार को लेकर खुलकर बात की है।

शादी को तैयार हैं तनुश्री दत्ता

तनुश्री दत्ता ने पिंकविला के साथ बातचीत में अपनी शादी और परिवार को लेकर बात की। तनुश्री से जब पूछा गया कि क्या वो शादी करना चाहती हैं? तो अभिनेत्री ने जवाब में कहा...हां,शादी करनी है। तनुश्री ने रिलेशनशिप और मदरहुड पर बात करते हुए खुलासा किया कि उनसे एक संत ने कहा है कि उनके भाग्य में शादी और बच्चा है और वह भी शादी करके सेटल होना चाहती हैं।

साधक ने बताया भाग्य

तनुश्री कहती हैं-मैं शादी करना चाहती हूं। मेरे भाग्य में भी शादी है। मैं मां कामख्या देवी गई थी, वहीं एक 90 साल की साधक से मिली। वो 40 साल से मां तारा की साधक रही हैं। मैंने उन साधक से कहा कि मुझे कुछ दो। मुझे लगता है कि संतों से मांगना अधिकार होता है। तो उन्होंने जवाब में कहा...तुम्हारा एक बेटा होगा। मैंने उनसे कहा कि अभी मेरी शादी नहीं हुई है,पहले मुझे शादी का आशीर्वाद दीजिए। क्योंकि अगर बिना शादी के कुछ हो जाएगा तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी। इसीलिए मैं खुद को रिलेशनशिप से भी दूर रख रही हूं। मुझे लगता है कि मैं उसी शख्स के साथ रिलेशनशिप में आऊं, जो शादी के लिए तैयार हो। मैं किसी रिलेशनशिप को मुश्किल नहीं बनाना चाहती।

साधक ने दिया शादी का आशीर्वाद

तनुश्री आगे कहती हैं-संत मेरी बात सुनकर बोलीं- अच्छा शादी नहीं हुई। चलो,दिसंबर में हो जाएगी तुम्हारी शादी। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि शादी किस दिसंबर में होगी। उन्होंने मुझसे ये भी कहा कि अपने बेटे को लेकर आना मुझसे मिलने, मुझे मिलना है। इसके बाद मैं साई बाबा मंदिर गई,वहां एक टैरो कार्ड रीडर से मिली तो उन्होंने भी ठीक यही बात कही कि मेरे एक बेटा होगा। वो एक क्रिश्चियन थीं, उन्होंने मुझे देखते ही पूछा-क्या तुम प्रेग्नेंट हो, क्योंकि तुम्हारे आस-पास एक आत्मा है और वो बेटे के रूप में दिख रही है। संत ने मुझसे ये भी कहा कि जिससे शादी करना हो, उसी के साथ रिलेशनशिप में आना, क्योंकि तुम प्रेग्नेंट हो जाओगी। तो मुझे बिना शादी के प्रेग्नेंट होकर मुश्किल में नहीं फंसना है।

खलनायक जिसकी आवाज से थर्रा जाता था हीरो

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रजा मुराद हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे लोकप्रिय और खूंखार विलेन रहे हैं। रजा मुराद का जन्म 23 नवंबर, 1950 को रामपुर,उत्तर प्रदेश,भारत में हुआ था। वे एक भारतीय एक्टर हैं जो ज्यादातर हिंदी फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने 250 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम किया है और तेलुगु, पंजाबी और दूसरी भाषाओं के अलावा हिंदी टेलीविजन पर भी काम किया है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1972 में फिल्म एक नजर से की थी। रजा मुराद को पहचान विलेन के रूप में फिल्म प्रेम रोग (1982) से मिली। राज कपूर की इस फिल्म में उन्होंने एक क्रूर और खतरनाक खलनायक की भूमिका निभाई थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में एक दमदार विलेन के रूप में स्थापित कर दिया। बाद में उन्हें राम लखन, खलनायक, बेटा, हीरो हसीना और कानून, राजा हिंदुस्तानी जैसी फिल्मों में भी उनके कैरेक्टर रोल के लिए खूब सराहना मिली।

इस अभिनेता की रोबदार आवाज बनी पहचान

कुछ पुराने बॉलीवुड सितारों का जादू आज भी बरकरार है और उन्हीं में से एक रजा मुराद भी हैं।

उस दौर में वह अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लेते थे। हीरो का रोल हो या विलेन का, वे हर किरदार में जान डाल देते थे। अमरीश पुरी, रंजीत, डैनी डेंजोंगपा, प्रेम चोपड़ा और तेज सप्रू के अलावा रजा मुराद एक ऐसे विलेन है, जो अपनी लंबी चौड़ी कद काठी ही नहीं बल्कि रोबदार आवाज के लिए आज भी जाने जाते हैं। वे मशहूर फनकार, कलाकार मुराद साहब के बेटे हैं। बचपन से फिल्मी दुनिया से जुड़े होने के कारण उन्होंने भी फिल्मों की तरफ रुख किया।

रजा मुराद 200 से ज्यादा फिल्मों में आ चुके नजर

रजा मुराद का शानदार करियर दशकों से चला आ रहा है और उन्होंने कई भाषाओं में 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

खेल-समाचार

लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर सालों का खिताबी सूखा खत्म किया

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025 । भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने इस साल अपना पहला टाइटल जीता। वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में विजयी हुए। सिडनी में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में इस स्टार खिलाड़ी ने जापान के युशी तनाका को हराया। सीधे सेटों में दम दिखाने वाले सेन ने युशी को हराकर टाइटल जीता। मैच के बाद, उन्होंने आलोचकों को जवाब दिया और शानदार जीत का जश्न मनाया। ऑस्ट्रेलियन ओपन में फेवरेट के तौर पर उतरे लक्ष्य सेन टाइटल के साथ चमके। सेमीफाइनल में अपने अपोनेंट चाऊ थिएन चेन के खिलाफ कड़ा मुकाबला करने वाले सेन ने फाइनल में भी अपना दम दिखाया। 14वीं सीड वाले भारतीय शटलर ने फाइनल में कम रैंक वाले युशी तनाका को आराम से हरा दिया। उन्होंने शुरू से ही अग्रेसन दिखाया और पहला सेट 21-15 से जीत लिया। दूसरे सेट में बिना अपोनेंट को मौका दिए अटैकिंग गेम खेलने वाले सेन ने उन्हें 21-11 से चौंका दिया। मैच जीतने के बाद सेन ने कानों में उंगलियां डालकर जीत का आनंद लिया। बाद में, उन्होंने कोच यू यांग सुंग और पिता डीके सेन के साथ जश्न मनाया। उन्होंने अपने बेटे को गोद में उठाया और टाइटल जीतने पर बधाई दी।

ईस्ट बंगाल एएफसी महिला चैंपियंस लीग से बाहर

कोलकाता,23 नवम्बर 2025। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, ईस्ट बंगाल एफसी रविवार को वुहान में अपने आखिरी ग्रूप मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की पीएफसी नसाफ से 0-3 से हारकर एफसी विमेंस चैंपियंस लीग 2025-26 के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई। इस जीत से उज़्बेकिस्तान की टीम चार पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जिससे उन्हें टॉप पर रहने वाली चीन क्कककी वुहान जियांगडा विमेंस एफसी के साथ क्वार्टर-फाइनल में जगह पक्की हो गई। ईस्ट बंगाल ने अपना पहला कैंपेन तीन पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर खत्म किया, जबकि आईआर ईरान की बाम खातून एफसी तीन पॉइंट्स के साथ सबसे नीचे रही। सबसे अच्छी तीसरे स्थान वाली टीमों की रैंकिंग में, कोरिया रिपब्लिक की सुवन एफसी ने ग्रूप से चार पॉइंट्स के साथ क्वालीफाई किया, जबकि फिलीपींस की स्टैलियन लगुना एफसी ने तीन पॉइंट्स के साथ क्वालीफाई किया। हालांकि, स्टैलियन लगुना स्रष्ट गोल डिफरेंस में ईस्ट बंगाल के बराबर थी, लेकिन भारतीय टीम ने कम गोल किए, जिससे वे आखिरी आठ से बाहर हो गईं। मोशाल गर्ल्स ने इससे पहले बाम खातून एफसी (3-1) को हराया था और वुहान जियांगडा विमेंस स्रष्ट (0-2) से हार गई थी। नसाफ ने शुरुआती सीटी बजने के बाद से ही गेम पर कंट्रोल कर लिया था, पांचवें मिनट में निलुफर कुद्रातोवा ने बॉक्स में ड्राइव किया,लेकिन मन बनाने में बहुत देर कर दी, जिससे अनोमा ओपोकू ने उन्हें रोक दिया।

कप्तान सहित चार खिलाड़ी हुए बाहर

नई दिल्ली,23 नवम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली और अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। इन दोनों सीरीज के बीच में टीम इंडिया में काफी फेरबदल हुए हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया है। सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। पिछली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। तब से लेकर इस सीरीज में टीम इंडिया में काफी बदलाव हुए हैं। चार खिलाड़ी ऐसे हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो सीरीज में शामिल थे,लेकिन इस बार उन्हें नहीं चुना गया है। इनमें शुभमन गिल,श्रेयस अय्यर,अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज के नाम शामिल हैं।

चोटिल हैं शुभमन गिल

नियमित कप्तान शुभमन गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से रेस्ट दिया गया है। वह गर्दन की चोट से उबर रहे हैं। टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में उन्हें गर्दन में ऐंठन हुई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गर्दन की समस्या की वजह से ही वह दूसरे टेस्ट मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी। अब वह इस सीरीज से बाहर हैं।

श्रेयस अय्यर की जगह तिलक वर्मा को मिला मौका

श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में उपकप्तान थे। वह भी अभी चोटिल हैं और इसी कारण से उन्हें अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। उनकी जगह इस बार मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज तिलक वर्मा को चुना गया है। तिलक ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ-ए के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था और पिछले कुछ समय से वह टीम के लिए अच्छा कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज भी शामिल थे। लेकिन इन दोनों ही प्लेयर्स को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं चुना गया है। सेलेक्टर्स ने इस बार गेंदबाजी आक्रमण में प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा पर भरोसा जताया है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान) (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रु व जुरेल

जावोखिर सिंडारोव और जीएम वेई यी पहुंचे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में

उज़्बेकिस्तान,23 नवम्बर 2025। उज़्बेकिस्तान के जीएम जावोखिर सिंडारोव और चीन के जीएम वेई यी एफ आईडीई वर्ल्ड कप 2025 के फ़ाइनल में एक-दूसरे का सामना करेंगे। दोनों ने टाईब्रेक के ज़रिए अपने-अपने सेमीफ़ाइनल जीतकर अपनी जगह पक्की कर ली है, और रविवार को कैंडिडेट्स में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों सेमीफ़ाइनल में दोनों क्लासिकल गेम ड्रॉ रहे, जिसका मतलब है कि सभी खिलाड़ियों की रैपिड स्किल्स का टेस्ट टाईब्रेक में होगा। सिंदारोव, जिन्होंने क्वार्टर फ़ाइनल में तरूजोस एडुआर्डो मार्टिनेज अल्कांतारा को बाहर किया था, ने काले मोहरों के साथ पहले रैपिड गेम में नोडिरबेक याकुबबोएव को हराकर आगे बढ़ने के लिए लीडिंग पोज़िशन ली।

क्या अटल परिसर की प्रतिमाओं में धातु और वजन की चोरी ?

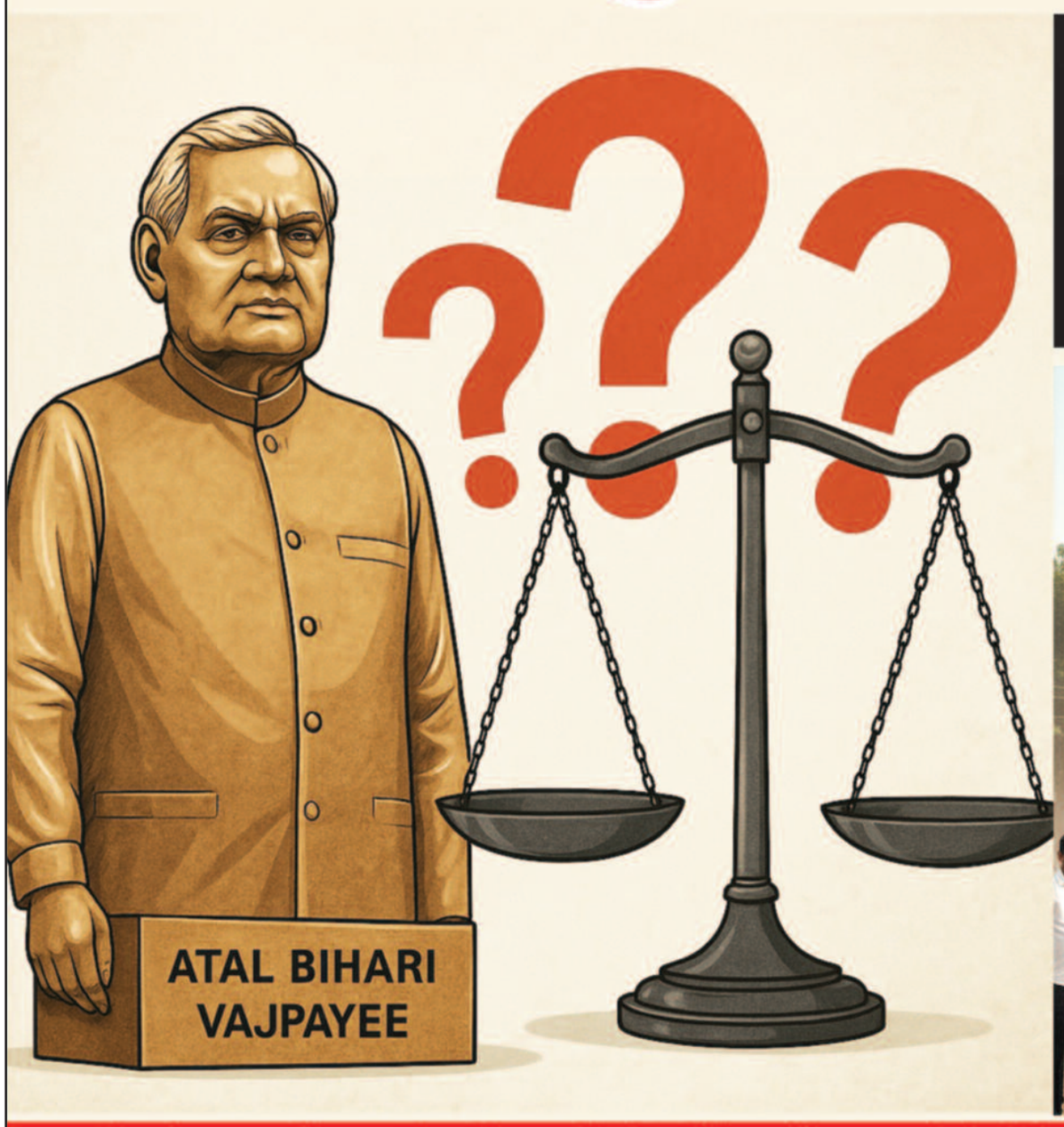

पूरे प्रदेश में उठ रहे सवाल क्या हुआ बड़ा खेल?

पूरे प्रदेश भर के नगरीय निकायों में मूर्ति स्थापित करने के लिए एक ही व्यक्ति को कैसे मिला काम, क्या हुई बहुत बड़ी सेटिंग?

क्या भाजपा अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा को भ्रष्टाचार मामले में झोंक रही है?

नगरीय निकायों में स्थापित करने से पहले प्रतिमा का क्या तौल किया गया?

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,23 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। प्रदेशभर के नगरीय निकायों में लगाए जा रहे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं को लेकर अब बेहद गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, सबसे बड़ा सवाल क्या खरीदी गई प्रतिमाएँ धातु की शुद्धता, वजन और मानक गुणवत्ता पर खरी हैं या इन सबमें भारी चोरी हुई है? इन आरोपों को विपक्ष नहीं, बल्कि प्रदेश के कई नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रतिमाएँ न तो बताए गए वजन की हैं, न धातु शुद्धता की जांच हुई और पूरे प्रदेश में प्रतिमाएँ एक ही फर्म से खरीदी गईं–जो साफ़ तौर पर 'सेटिंग' की ओर इशारा करता है। क्या प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में स्थापित की जा रही पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेई जी की प्रतिमाएं शुद्धता में और वजन में उस मानक को प्राप्त कर रही हैं जिस मानक अनुसार खरीदी की गई है? या खरीदी के दौरान मानक की अनदेखी हुई है और प्रतिमाओं की शुद्धता और उसके वजन में चोरी हुई है? ऐसा सवाल इसलिए क्योंकि यह सवाल अब नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही उठा रहे हैं और उनका मानना है कि प्रतिमाएं न तो वजन में उस मानक को प्राप्त कर रही हैं जिस मानक के वजन का भुगतान किया गया है प्रदाय करने वाली फर्म को न ही वह उस धातु की ही शुद्ध रूप से है जिस धातु का पैसा भुगतान किया गया है,क्या आरोप अनुसार चोरी हुई है,मानक का ध्यान न देकर क्या मूर्ति खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है,यह अब निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की तरफ से ही सवाल है,वहीं प्रतिमाओं की खरीदी के दौरान केवल एक ही फर्म को कैसे सभी नगरीय निकायों में प्रतिमा प्रदाय करने की जिम्मेदारी मिल सकी यह भी एक सवाल है,क्या एक ही फर्म को सभी नगरीय निकायों में प्रतिमा प्रदाइत करने सेटिंग से कार्यादेश प्राप्त हुआ?क्या प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने ही दल के पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा स्थापना के नाम पर भ्रष्टाचार किया? ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं और जवाब देने की बजाए सरकार की तरफ से निर्देश है कि प्रतिमाएं स्थापित करने सभी तैयारी पूर्ण की जाए जिससे एक साथ सभी जगह की प्रतिमाएं अनावरित की जा सके, वैसे सभी नगरीय निकायों में प्रतिमा के अनावरण की तिथि 22 नवंबर तय थी जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई है और आगामी तिथि के लिए निर्देश प्राप्ति का बस नगरीय निकायों को इंतजार है, वैसे प्रतिमाएं सीधे जहां स्थापित की जानी हैं वहीं पहुंचाई गई हैं, प्रतिमा प्राप्ति के दौरान कोई वजन तौल का मामला नहीं देखने को मिला ऐसा आरोप लगाने वाले ही बता रहे हैं,और अब आरोप लगाने वालों की बात क्या सत्य है,क्या सही में प्रतिमा बिना वजन और गुणवत्ता जांच के ही स्वीकार की गई हैं,यह भी एक प्रश्न है? पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेई जी भाजपा के पितृ पुरुष माने जाते हैं और छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की घोषणा उनके ही केंद्रीय सत्ता के कार्यकाल में हुआ था इन विषयों को ही ध्यान में रखते हुए प्रदेश स्थापना के 25 वें वर्ष जब सरकार रजत जयंती मना रही है तब प्रदेश के नगरीय निकायों में स्व अटल बिहारी जी की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं, राज्य गठन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करने के उद्देश्य से प्रतिमाएं स्थापित किया जाना भले ही सही है,जायज है लेकिन प्रतिमाएं कम से कम शुद्धता और वजन के मानक में सही हों यह आवश्यक है,और यही आरोपों के पीछे का उद्देश्य नजर आ रहा है।

क्या भाजपा अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा को भ्रष्टाचार के विवाद में धकेल रही है?

स्व. अटलजी भाजपा के पितृ पुरुष माने जाते हैं, राज्य निर्माण की घोषणा भी उनके कार्यकाल में हुई थी, ऐसे में रजत जयंती वर्ष पर उनकी प्रतिमा स्थापना का उद्देश्य सम्मान का होना चाहिए था... पर अब पूरा मामला 'खरीदी में भ्रष्टाचार' के आरोपों में उलझ गया है, यही सवाल अब खुले आम उठ रहा है क्या अटल जी की प्रतिमा के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ?

क्या प्रतिमाओं का तौल ही नहीं हुआ? जनप्रतिनिधियों ने लगाए गंभीर आरोप

प्रतिमाएँ सीधे स्थापना स्थल पर भेज दी गई, प्रतिमा पाने वाले जनप्रतिनिधियों ने स्वयं बताया, न भेजने से पहले वजन तौला गया, न पहुंचने के बाद किसी प्रकार का निरीक्षण हुआ, न गुणवत्ता परीक्षण, न धातु की चेकिंग यानि करोड़ों की सरकारी खरीदी में 'वजन जांच' जैसा बुनियादी नियम तक पालन नहीं हुआ।

कांसे की प्रतिमा खरीदी गई...लेकिन क्या प्रतिमा कांसे की है भी?-

कांसा एक महंगी धातु है, और सरकार ने उसी के आधार पर भुगतान किया, पर सवाल यह कि क्या प्रतिमाओं की धातु का लैब-टेस्ट हुआ? क्या किसी निकाय ने प्रतिमा की शुद्धता प्रमाणित करवाई? क्या यह सुनिश्चित किया गया कि दी गई प्रतिमा कांसे की ही है? जनप्रतिनिधियों का दावा 'किसी भी निकाय में कोई परीक्षण नहीं हुआ, इससे सीधा संदेह खड़ा होता है कि धातु की शुद्धता में भारी गड़बड़ी हो सकती है।

800 किलो का दावा...लेकिन जमीन पर वजन कौन जानता है ?

बताया गया है कि हर प्रतिमा का वजन 800 किलो तक है,पर आरोप है कि वजन कभी तौला ही नहीं गया,प्रमाण-पत्र नहीं दिया गया,और कई स्थानों पर प्रतिमा अपेक्षा से हल्की महसूस हो रही है,यहाँ सवाल वही पुराना लेकिन खतरनाक क्या कागज़ों में 800 किलो लिखकर असल में कम वजन की मूर्तियाँ भेजी गईं?

अलग-अलग निकायों में अलग-अलग रेट,एक धातु, एक फर्म, फिर भी अलग कीमत ?

सबसे चौंकाने वाली बात यह कि एक ही धातु, एक ही डिजाइन,एक ही फर्म वही काम,फिर भी अलग-अलग नगरीय निकायों में अलग-अलग रेट दिखाए गए हैं, यह सीधा संकेत देता है कि 'रेट का खेल' हुआ और अंतर की रकम कहीं और गई।

पूरे प्रदेश की प्रतिमाओं का जिम्मा एक ही फर्म को–क्या यह 'सबसे बड़ा सेटिंग पॉइंट' है ?

जनप्रतिनिधियों का सबसे गंभीर आरोप–अलग-अलग निकाय,अलग-अलग बजट, अलग-अलग टेंडर प्रक्रिया होनी चाहिए थी,पर सब जगह सिर्फ एक ही फर्म को काम मिला यह स्थिति खुद ही सवाल बन गई. क्या पूरा सिस्टम पहले से सेट था?

प्रतिमा अनावरण की तिथि अचानक स्थगित–क्या विवाद बढ़ने के कारण ?

22 नवंबर को प्रदेशव्यापी अनावरण होना था, पर अचानक 'अपरिहार्य कारणों' से स्थगित कर दिया गया,निकायों का मानना है कि जैसे ही सवाल उठे, सरकार बैकफुट पर गई और तिथि टालनी पड़ी।

अंतिम और सबसे बड़े सवाल...जिनका जवाब अब सरकार से ही मांगा जाएगा

1. प्रतिमा की धातु का टेस्ट किसने और कब किया?
2. वजन कहाँ तौला गया और उसका रिकॉर्ड कहाँ है?
3. एक ही फर्म को पूरे प्रदेश का काम कैसे मिला?
4. अलग-अलग रेट का आधार क्या है?
5. क्या यह पूरा मामला 'अटल प्रतिमा खरीदी घोटाला' बन रहा है?
6. सरकार जवाब क्यों नहीं दे रही–सिर्फ अनावरण की तैयारी क्यों करवा रही है?

बीएलओ के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत,गंभीर आरोप लेकर पहुंची बीजेपी

रायपुर,23 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में एसआईआर सर्वे को लेकर भाजपा ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। सर्वे में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से लिखित शिकायत की है। पार्टी की निर्वाचन आयोग संपर्क समिति ने कहा है कि सर्वे की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई जिलों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा। भाजपा का आरोप है कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट को पहचान पत्र जारी किए जाने थे, लेकिन अब तक अधिकांश जिलों में एक भी पहचान पत्र नहीं दिया गया है। वहीं,बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है,लेकिन 16 दिन बीत जाने के बाद भी कई जगहों पर बीएलओ सिर्फ एक स्थान पर बैठकर फॉर्म बांट रहे हैं। पार्टी ने कहा कि यह नियमों के खिलाफ है और इससे हजारों नए मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हो पाएंगे। भाजपा ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि अनियमितता करने वाले बीएलओ पर कार्रवाई की जाए और सर्वे की निगरानी कड़ाई से की जाए, ताकि मतदाता सूची की विश्वसनीयता प्रभावित न हो।

धर्मांतरण विवाद : महिला के अंतिम संस्कार को लेकर गांव में तनाव

कांकेर,23 नवम्बर 2025। जिले में धर्मांतरण को लेकर एक बार फिर तनाव उभर आया है। मामला कांकेर जिले के विधायक आशाराम नेताम के गृह ग्राम बेवरती का है,जहां कांति मेश्राम, जिनका पति कृष्णा मेश्राम है, पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं, उनका निधन हो गया। उनके परिजन पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार करना चाहते थे, लेकिन जैसे ही शव गांव लाया गया,बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार का विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि परिवार ने मूल धर्म छोड़कर धर्मांतरण किया है, इसलिए उन्हें गांव के पारंपरिक श्मशान या दफन स्थल का उपयोग करने का अधिकार नहीं है। ग्रामीणों ने परिजनों को घेरते हुए कहा कि यदि अंतिम संस्कार गांव में करना है, तो पहले 'मूल धर्म' में लौटने की घोषणा करनी होगी।

परिजन इस विरोध के चलते निजी भूमि में ही अंतिम संस्कार करने का प्रस्ताव लेकर आए, लेकिन ग्रामीणों ने इसे भी स्वीकार नहीं किया। स्थिति लगातार तनावपूर्ण होती चली गई और परिजनों को प्रशासन की मदद लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर कांकेर जिला प्रशासन सक्रिय हुआ। प्रशासन ने शव को बेवरती से चारामा ले जाने की योजना बनाई, लेकिन यह जानकारी मिली कि चारामा में पहले से सर्व हिंदू समाज के लोग मौजूद थे और वे अंतिम संस्कार का विरोध करने के लिए तैनात थे। इससे प्रशासन के सामने स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कांकेर जिले में इससे पहले भी ऐसा ही मामला सामने आया था, जिसमें विरोध के चलते शव का अंतिम संस्कार रायपुर में कराना पड़ा था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक बार फिर रायपुर में अंतिम संस्कार करवाने की तैयारी शुरू कर दी है। किसी भी तरह की हिंसा या कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा न हो। गांव बेवरती और चारामा दोनों ही स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन गांव का वातावरण अब भी तनावपूर्ण बना हुआ है। जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि धार्मिक संवेदनशीलता के साथ ही मानवाधिकार और अंतिम संस्कार की मर्यादा का पालन सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। स्थानीय लोग भी इस विवाद को लेकर चिंतित हैं और चाहते हैं कि प्रशासन तटस्थ रूप से कार्रवाई करे। गांव के आसपास तनावपूर्ण माहौल के कारण कई लोग अपने घरों से बाहर निकलने में संकोच कर रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से संभालने में सहयोग करें। इस प्रकार कांकेर में धर्मांतरण और अंतिम संस्कार को लेकर उत्पन्न विवाद ने जिले में कानून-व्यवस्था की चुनौती को उजागर किया है। प्रशासन के सतर्क कदमों और पुलिस बल की तैनाती के बावजूद गांव में तनाव और असंतोष का माहौल बना हुआ है।

पानी टंकी में बच्ची की लाश मिली,खेल-खेल में घटना

बिलासपुर,23 नवम्बर 2025। शहर के कोटा इलाके में आज एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 3 साल की मासूम बच्ची की खुली पानी की टंकी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद कोटा पुलिस ने पंचनामा कर बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची दोपहर के समय घर के आंगन के पास खेल रही थी। इसी दौरान वह वहां रखी खुली पानी की टंकी के पास पहुंच गई और अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण टंकी में गिर गई। कुछ ही मिनटों में यह मासूम की जिंदगी छीन लेने वाला हादसा साबित हुआ। जब तक परिजनों ने बच्ची को पानी से बाहर निकाला, उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। परिवार के सदस्य उसे दौड़ते हुए कोटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)